कश्मीरी स्वयंशिक्षक

रुपकृष्ण भट

मीडिया पब्लिशर्स, दिल्ली

कश्मीरी स्वयंशिक्षक

रूपकृष्ण भट

मीडिया पब्लिशर्स, दिल्ली

© ROOP KRISHEN BHAT

ISBN 81-89016-00-8

Name of the book		:	कश्मीरी स्वयंशिक्षक Kashmiri Swayamshikhshak **(A Kashmiri Self Taught Course)**
Author		:	Roop Krishen Bhat
Year of Publication		:	March 2004
Price	Paper Back	:	Rs.75.00
	Special lib. edition	:	Rs.100.00
		:	U.S. $10.00
D.T.P.		:	Rinko Koul (0191-2595136)
Publisher		:	Media Publishers, Delhi
Printer		:	J.K. Offset Printers, Delhi
Available at		:	i) 471-Vinayak Nagar, Muthi, Jammu, Ph.:2593311
			ii) 148-Deluxe Apartments, Vasundhra Enclave Delhi-110096 Ph. : 22618889
			iii) Kitabghar, Canal Road, Jammu

विषय सूची

प्रस्तावना

भाग 1

वाक् —स्वन

1. कश्मीरी के वाक् —स्वन
   (क) स्वर 8
   (ख) व्यंजन 17
   (ग) तालव्य कृत व्यंजन 23
   (घ) वर्णमाला 26

भाग 2

वाक्—संरचना

1. म्योन गरु 29
2. ज़ान पछान 37
3. कॉम कार 44
4. टैलिफोनस प्यठ कथ—बाथ 52
5. कॉशुर, कॉशिरय् तु कॅशीर 61
6. हस्पतालस मंज़ 75
7. चिडिया गरु 88
8. निशात बागुक सॉर 103
9. टूरिस्ट सॅंटरस प्यठ 115
10. बाज़रस मंज़ 124

प्रस्तावना

'कश्मीरी स्वयंशिक्षक' उन पाठकों के लिये तैयार की गयी पुस्तक है जिन की मातृ-भाषा कश्मीरी नहीं है, और जो हिंदी भाषा से भली भांति परिचित हैं, तथा कश्मीरी सीखने के इच्छुक हैं। वास्तव में यह पुस्तक **'स्वयं शिक्षण'** के आधार पर लिखी गयी है। लेकिन यदि इस का प्रयोग किसी कश्मीरी बोलने वाले की देख रेख में किया जाए तो परिणाम ज़्यादा अच्छे होंगे। कश्मीरी सीखने वाले इस पुस्तक की सहायता से न केवल भिन्न भिन्न परिस्थितियों में कश्मीरी लिख पढ़ सकेंगें, बल्कि बोलने में भी कुशलता प्राप्त कर सकेंगे। यही इस पुस्तक का लक्ष्य भी है। यह लक्ष्य प्राप्त करने के लिये भाषा की चार मूल युक्तियों यानि: "बोलना, समझना, लिखना और पढ़ना" को ध्यान में रखा गया है।

यह पुस्तक उन विस्थापित कश्मीरियों के लिये भी लाभदायक सिद्ध होगी, जो कश्मीर से दूर होने के बाद बदलती परिस्थितियों में अपनी मातृ-भाषा से अपरिचित हैं। जो जैसी तैसी कश्मीरी तो बोल सकते हैं मगर अपनी मातृ-भाषा को लिख-पढ़ नहीं सकते।

इस पुस्तक को दो भागों में बांटा गया है। पहले भाग

में कश्मीरी के वाक्—स्वन (speech sounds) का उच्चारण और दूसरे भाग में कश्मीरी भाषा की लग भाग 25 आधारी संरचनायें (basic structures) दस पाठों में प्रस्तुत की गई हैं। पाठ्यक्रम में बात-चीत का तरीक़ा अपनाया गया है और अनुस्तरिता (grading) का पूरा ध्यान रखा गया है। पाठ्यक्रम कुछ इस प्रकार आयोजित किया गया है कि सीखने वाले आम बोल चाल से अवगत हो जाएं। हर पाठ में प्रयोग किये गए शब्दों की सूची पाठ के अंत में दी गई है। भाषा की लगभग अधिकांश आधार भूत शब्दावली (basic vocabulary) जैसे संख्यावाचक शब्द, रंगों के नाम, दिन, महीने, मौसम, आदर-सत्कार, शरीर के अंग, पक्षियों तथा जानवरों के नाम आदि पुस्तक में आवश्यकता अनुसार दी गई है।

मैं उन तमाम दोस्तों और साथियों का आभारी हूँ जिन्हों ने मुझे यह पुस्तक लिखने के लिये प्रेरित किया या सहयोग दिया। मैं विशेष कर डॉ॰ ओंकार कौल, डाँ.राजनाथ भट्ट और अपनी पत्नी राजी का आभार प्रकट करता हूँ । आशा है कि यह पुस्तक कश्मीरी सीखने—सिखाने वाले कश्मीरी प्रेमियों के लिये लाभदायक सिद्ध होगी, जो इस पुस्तक के लिखे जाने का मुख्य लक्ष्य है।

डा॰ रूपकृष्ण भट

पटियाला, 11th April, 2003

भाग 1

वाक् स्वन

1. कश्मीरी के वाक्–स्वन

कश्मीरी भाषा में कुल मिलाकर ४३ (43) वाक्–स्वन हैं। जिन मे १५ (15) स्वर और २७ (27) व्यंजन हैं।

स्वर

1. कश्मीरी भाषा में हर स्वर के ह्रस्व (short) और दीर्घ (long) रूप प्रयुक्त हैं जो इस प्रकार हैं।

अ		आ	ा
अॅ	ॅ	ऑ	ा
अु	ु	अू	ू
इ	ि	ई	ी
उ	ु	ऊ	ू
ऐ	ॆ	ए	े
ओ	ो	ओ	ो
अ्व	्व		

2. कश्मीरी स्वरों मे ६ (6) स्वर ऐसे हैं। जिन का उच्चारण हिंदी के स्वरों जैसा ही है। यह स्वर इस प्रकार हैं:

अ	अख	कर	
आ	आख	कार	महरा
इ	इनकार	सिर	नि
ई	ईद	सीर	जलदी
उ	उस्ताद	गुर	सु
ऊ	ऊतरु	गूर	

अभ्यास

1. निम्नलिखित अक्षरों को ऊंचे स्वर में पढ़िये और हर अक्षर को पाँच बार लिखिए।

इ ई अ आ उ ऊ

2. निम्नलिखित शब्दों को ऊंचे स्वर में पढ़िए।

इ		ई	
सिर	'राज़'	सीर	'ईंट'
ज़िठ	'बडी'	ज़ीठ	'लम्बी'
बिठ	'भीड'	बीठ	'बैठी'

अ		आ	
असुन	'हंसना'	आसुन	'होना'
अख	'एक'	आख	'(तुम) आए'
कर	'करो/कब'	कार	'काम/कार'

उ		ऊ	
कुन	'अकेला'	कून	'कोना'
गुर	'घोड़ा'	गूर	'दूधिया'

3. कश्मीरी के दो स्वर 'ए' और 'ओ' हिंदी के स्वरों 'ए' और 'ओ' से काफी हद तक मिलते हैं। अन्तर इतना है कि कश्मीरी मे यह हिंदी की तुलना में अधिक विवृत हैं। अर्थात इन के उच्चारण में जिह्वा हिंदी 'ए/ओ' की तुलना में नीचे रहती है। 'ए' स्वर केवल शब्द के बीच में ही आता है, जबकि हिंदी में यह तीनो स्थानों पर पाया जाता है।

उदाहरण

कश्मीरी		*हिंदी*	
रेल	rye:l	रेल	re:l
सफेद	saphye:d	सफेद	saphe:d
तेज़	tye:z	तेज़	te:z

खेल	khye:l	खेल	khe:l

'ओ' स्वर दोनो भाषाओं मे शब्द के तीनों स्थानों पर मिलता है। 'ओ' वाले कुछ शब्द ऐसे हैं जो उच्चारण में एक जैसे हैं पर अर्थ अलग अलग हैं। 'ओ' के उच्चारण मे दोनों भाषाओं मे अन्तर है।

उदाहरण

कश्मीरी		*हिंदी*
ओस	'था'	ओस
चोर	'गूंगा'	चोर
मोल	'पिता'	मोल

4. कश्मीरी के सात स्वर ऐसे हैं जो हिंदी भाषा में नहीं हैं। इस लिए इनके उच्चारण पर ज़्यादा घ्यान देने की आवश्यकता हैं। यह स्वर इस प्रकार हैं:

ऎ	ऒ
अ़	अ़ू
अॅ	ऑ
अ्व	

ऍ ॅ

यह स्वर 'ए' स्वर का ह्रस्व रुप है। यह स्वर शब्द के बीच और अन्त में मिलता है।

उदाहरण

रॆह	'लपटे'	शॆ	'छे'
दॆद	'दादी'	त्रॆ	'तीन'
वॆस	'सहेली'	खॆ	'खाओ'

ऑ ॉ

यह स्वर 'ओ' स्वर का ह्रस्व रुप है। यह शब्द के शुरू और बीच में मिलता है।

उदाहरण

ऑन	'अंधा'	सॉन	'गहरा'
ऑर	'अच्छा'	हॉल	'टेढा'
ऑस	'हंसा'	दॉब	'धोबी'

अ़

इस स्वर के बोलते समय जीभ का मध्य भाग कठोर तालू (hard palate) की और उठता है। इसके उच्चारण के समय ओष्ठ अगोलित रहते हैं। यह स्वर शब्द के बीच और अंत

मे मिलता है।

उदाहरण

बॖ	'मैं'	तॖर	'चीथड़ा'
च़ॖ	'तू'	कॖर	'आवाज़'
लॅडकॖ	'लड़का'	अकॖल	'बुद्धि'
रामॖ	'राम'	शकॖल	'रूप'

अॗ   —ॗ—

इस स्वर के बोलते समय वागवयव की स्थिति वही रहती है जैसी 'अॖ' स्वर के बोलने के समय रहती है। केवल इसका उच्चारण समय दीर्घ होता है।

उदाहरण

अॗठिम	'आठवां'	तॗर	'सर्दी'
		क्रॗल	'कीड़ा'
		सॗत्य	'से, साथ'

अॅ   —ॅ—

इस के उच्चारण में जीभ का मध्य भाग कठोर तालु की ओर ज़रा सा उठाया जाता है। यह शब्द के तीनीं स्थानों पर पाया जाता है।

उदाहरण

अॅछ	'आंख'	गॅर	'घडी'	नॅ	'नहीं'
अॅर	'अच्छी'	लॅर	'मकान'	मॅ	'मत'
अॅमीर	'अमीर'	बॅड	'बड़ी'	सॅ	'वह' (स्त्री)

ऑ ॉ

इस स्वर के उच्चारण के समय वागवयव की स्थिति वही रहती है जैसी 'अॅ' के उच्चारण मे रहती है। केवल इसके उच्चारण का समय दीर्घ होता है। यह शब्द के पहले और मध्य स्थानों पर मिलता है।

उदाहरण

ऑल	'इलायची'	कॉम	'काम'
ऑर	'आलु बुखारा'	दॉर	'खिड़की'
ऑस	'मुंह'	गॉर	'गैर, पराया'

अ्व ्व

इस स्वर के उच्चारण के समय ओष्ठ गोलित रहते हैं। जीभ का पिछला भाग अर्ध-विवृत स्थिति में रहता है। यह शब्द के बीच और अंत में आता है।

उदाहरण

द्वद	'दूध'	ब्व	'में'
ब्वद	'बुद्धि'	ह्व	'वह'
स्वद	'सादा'	स्व	'वह—आंख से दूर'

अभ्यास

1. निम्नलिखित स्वरों/अक्षरों को ऊंची आवाज़ मे पढ़िए और हर अक्षर का एक—एक शब्द लिखिए?

इ	ई	ऍ	ए	अ़	अ़ू
अॅ	आॅ	अ	आ	उ	ऊ
ऑ	ओ	अ्व			

2. निम्नलिखित शब्दों को पढ़िये?

सिर	'राज़'	सीर	'ईंट'
ज़िठ	'बड़ी'	ज़ीठ	'लम्बी'
बिठ	'भीड़'	बीठ	'बैठी'
ज़ॆन	'गारा'(मट्टी का)	ज़ेन	'जीतो'
ऑर	'अच्छा'	ओर	'वहां'
ज़ॉर	'गूंगा'	ज़ोर	'ज़ोर'

सोॅन	'गहार'	सोन	'हमारा'
तुर	'चीतड़ा'	तु़र	'सर्दी'
अॅर	'अच्छी'	ऑॅर	'आलूबुखारा'
लॅर	'मकान'	लॉॅर	'खीरा'
नॅर	'बाज़ू'	नॉॅर	'नस'
असुन	'हंसना'	आसुन	'होना'
अख	'एक'	आख	'तुम आए'
कर	'करो'	कार	'काम, कार'
कुन	'अकेला'	कून	'कोना'
गुर	'घोड़ा'	गूर	'दूधिया'
स्वद	'सीधा सादा'	स्वाद	'सवा'

3. हिंदी की तरह ही कश्मीरी में भी अनुनासिक स्वर (nasalized vowels) मिलते हैं। निम्नलिखित शब्दों को पढ़कर देखिए।

शेख	'एक नाम'	शेंख	'शंख'
पॅज़	'सच्ची'	पँज़	'बंदरिया'
बॉथ	'गाना'	बाँथ	'बांस'
लूठ	'लूर'	लूंठ	'कपडे का कोना'
गोॅद	'छेद'	गोंॅद	'गुलदस्ता'

वोत	'पहुंचा'	वोंत	'गहराई'

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए?
   (क) हिंदी मे कितने स्वर हैं?
   (ख) कश्मीरी मे कितने स्वर हैं?
   (ग) कश्मीरी स्वरों की क्या विशेषता है?

व्यंजन

कश्मीरी मे कुल २७ (27) व्यंजन हैं। अधिकतर व्यंजन हिंदी जैसे ही है। उन का बोलना और लिखना एक समान है। यह व्यंजन इस प्रकार हैं।

क	कथ	दुकान	पोक
ख	खर	सखर	अख
ग	गाव	गगुर	दग
च	चाय	बचु	निच
छ	छान	वुछुन	लछ
ज	जाय	बाजु	ताज
ट	टर	वाटुन	होट
ठ	ठूल	ठठु	ऑठ
ड	डून	ठंडु	यड

त	तार	बतु	रुत
थ	थोद	मथुन	वथ
द	दॉर	बदन	द्वद
न	नार	बनुन	मान
प	पर	कपुर	पोप
फ	फल	साफ	पाफ
ब	बाल	आबाद	बब
म	मल	कमर	शाम
य	यार	वायुन	माय
र	रथ	परुन	कार
ल	लॅर	दालु	शाल
व	वाल	दवा	वाव
श	शान	कॅशीर	गाश
स	सर	बसु	तास
ह	होस	हॅहर	वाह

कश्मीरी मे दो व्यंजव ऐसे हैं जो हिंदी समेत अधिकतर भारतीय भाषओं मे नहीं हैं। इस लिए इनके उच्चारण पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। यह व्यंजन इस प्रकार हैं।

च़

इस व्यंजन के बोलते समय जीभ का ऊपरी भाग उपर वाले दांतों के अन्दरूनी मसूडों को छूता है और फिर जीभ को इस प्रकार हटाया जाता है ताकि हवा रगड के साथ बाहिर आ जाए। यह व्यंजन अलपप्राण (unaspirated) और अघोष (voiceless) हैं। यह शब्द के तीनो स्थानों पर मिलता है।

उदाहरण

च़ास	'खाँसी'	नच़ुन	'नाचना'
रॉच़	'रातें'	च़ोप	'कांटा' (स)
पच़ुन	'उधार पर देना'	सुच़	'दर्ज़ी'
च़लुन	'भागना'	म्वच़ुन	'सिमटना'
बॉच़	'सदस्य'(घर का)		

छ़

इस व्यंजन के बोलते समय वा़गवयव की स्थिती वही होती है जो 'च़' के बोलते समय हीती है। अंतर इतना है कि इस के उच्चारण के समय बाहिर आने वा़ली हवा की मार्ता ज़्यादा होती है। अर्थात यह महाप्राण (aspirated) व्यंजन है। यह भी शब्द के तीनों स्थानों पर मिलता है।

उदाहरण

छ़ल	'चाल'	लछ़ुल	'झाड़ू'
लछ़	'धूल'	छ़ोर	'खाली' (पु॰)
वछ़ुर	'बछड़ी'	कोछ़	'रिश्वत'
छ़ाय	'छाया'	यछ़ुन	'चाहना'
पछ़	'विशवास'		

अभ्यास

1 निम्नलिखित शब्दों को ऊंचे स्वर मे पढिए और लिखिए?

च़		छ़	
च़ल	'भाग' (क्रि॰)	छ़ल	'चाल'
च़ॅर	'चिडिया'	छ़ॅर	'खाली' (स्त्री)
च़ोट	'रोटी'	छ़ोट	'छोटा
च़ारुन	'छांटना'	छ़ारुन	'ढूंढना'

च		च़	
चोर	'गूंगा'	च़ोर	'चार'
चारुन	'कसना'	च़ारुन	'छांटना'
कॅच	'कच्ची'	कॅच़	'कितने'

छ		छ़	
छल	'धोखा'	छ़ल	'चाल'
छांट	'छांटो'	छ़ांट	'तैराकी'
लछ	'लाख'	लछ़	'धूल'
गछ	'सफेदी'	गछ़	'जा'

2. निम्नलिखित शब्दों को ऊंचे स्वर में पढ़िए और लिखिए?

अज़	रज़	राज़	आवाज़	अड
डार	च़ॅर	ज़ॅर	कॅर	अॅछ
रॉछ	ऑशं	दॉर	ज़ु	च़ु
बु	कुर	अुठिम	तुर	सिर
इज़ा	नि	यि	दि	सीर
हूर	ऊतरु	ओ़र	दो़र	सो़न
दे़द	वे़स	शे़	मे़	चे़र
रेश	द्वद	ब्वद	ह्व	स्व स्वाद
च़ूर	तेज़			

3. निम्नलिखित शब्दों मे दो व्यंजनों का गुच्छा (consonant cluster) देखिए, पढिए और समझिए?

क्राल ग्राख फ्रस श्राख द्रोग

स्राग	द्रोग	श्राद	प्रोन	त्रै
त्रकुर	त्राम	क्राम	फ्रोव	ख्रोव

4. कश्मीरी मे महाप्राण सघोष व्यंजन (voiced aspirates) नहीं हैं। इस प्रकार ऐसे हिंदी के शब्दों को कशमीरी मे महाप्राण अघोष (voiceless unaspirated) की तरह बोला जाता है।

उदाहरण

	हिंदी		*कश्मीरी*
भ	भगवान	ब	बगवान
	भाभी		बाबी
ध	धर्म	द	दर्म
	धोबी		दोब
ढ	ढोल	ड	डोल
	बूढा		बुड्ड
घ	घास	ग	गासु
	घर		गरु
झ	झील	ज	जील
	झण्डा		जंड्ड

तालव्यकृत व्यंजन

(Palatalized consonants)

तालव्यकरण (Palatalization) कश्मीरी भाषा का एक खास लक्षण है। च, छ, ज, श, और य व्यंजनो को छोड़कर शेष सारे व्यंजन तालव्यरंजित हो सकते हैं। तालव्यरंजन व्याकरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह काफी एकवचण शब्दों को बहुवचण में बदलता है। तथा शब्दों का अर्थ भी बदलता है।

उदाहरण

प	प्यन	अप्यर	पॅप्य
फ	फ्यख	फ्यफर	फॅफ्य
ब	ब्याख	ग्वब्यर	दोब्य
त	त्युथ	तत्यन	तॅत्य
थ	थ्यकुन	स्वथ्यन	सोथ्य
द	द्यार	ज़द्यन	ज़ॅद्य
ट	ट्येल	म्वट्यन	मोट्य
ठ	ठ्यूर	टाठ्यन	टॉठ्य
ड	ड्योल	बड्यन	बॅड्य
क	क्युल	क्या	च़ोक्य
ख	ख्योल	अख्योन	होख्य

ग	ग्यव	बाग्यवान	दॅग्य
च़	च़्यल	हच़्यन	नॅच़्य
छ़	छ़्योन	पछ़्यन	पॅछ़्य
म	म्युल	काम्यन	तॅम्य
न	न्यूल	पनुन्यार	हून्य
स	स्यख	आस्यस	ऑस्य
ज़	ज़्योन	पज़्यन	पँज़्य
ह	हयोल	वह्यक	कॅह्य
ल	ल्यख	हल्यन	हॅल्य
र	र्‌यख	कर्‌यस	नॅर्‌य
व	व्‌यथ	ऑव्युल	हॉव्य

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों को उंचे स्वर मे पढ़िए?

पन	'पत्ते'	प्यन	'गिरेंगे'
च़ॉप	'चबाई'	च़ॉप्य	'चबाए'
फोफ	'गूँगा'	फॅफ्‌य	'गूँगे'
बोल	'बोल'	ब्योल	'बीज'
गोब	'भारी' (sg.)	गोब्य	'भारी'
कतन	'कातेंगे	कत्यन	'कहाँ पर'

थकुन	'थकना'	थ्यकुन	'बखान करना'
दल	'समूह'	द्यल	'छिलका'
रूद	'वर्षा'	रूद्य	'रहे'
हॅट	'लक्ड़ी'	हॅट्य	'गले'
टॉठ	'प्यारी'	टॉठ्य	'प्यारे'
कुल	'पेड़'(sg.)	कुल्य	'पेड़'(pl.)
खव	'खड़ा'	ख्यव	'खाया'
गव	'गया'	ग्यव	'घी / गा'
च़ल	'भाग'(क्रि.)	च़्यल	'ठूंस

छ़ोट	'छोटा'	छ़्योट	'झूठन'
मूल	'जड'	म्यूल	'मिला'
ऑम	'कच्ची'	ऑम्य	'कच्चे'
नूल	'नेवला'	न्यूल	'नीला'
हून	'कुत्ता'	हून्य	'कुत्ते'
ऑस	'मुहं'	ऑस्य	'थे'
ज़ल	'मूत्र'	ज़्यल	'झिल्ली'
मॉल	'भूख'	मॉल्य	'पिता'
परुन	'पढ़ना'	पर्युन	'छलनी' / छाननी
वथ	'रास्ता'	व्यथ	'वितस्ता'

हिंदी वर्णमाला / अक्षर माला

अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ए	ऐ	ओ	औ
क	ख	ग	घ	ड़
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	
श	ष	स	ह	
क्ष	त्र	ज्ञ		

कश्मीरी अक्षरमाला

अ	आ	ॲ	ऑ	अॖ	अॗ
इ	ई	उ	ऊ	ऎ	ए
ऒ	ओ	अ्व			

क	ख	ग	
च	छ	ज	
च़	छ़	ज़	
ट	ठ	ड	
त	थ	द	न
प	फ	ब	म
य	र	ल	व
श	स	ह	त्र

भाग 2

वाक् - संरचना

म्योन गरु

अशोक:	यि कॅम्यसुन्द गरु छु?	यह किसका घर है।
परवेज़:	यि छु सोन गरु।	यह हमारा घर है।
अशोक:	यि छा बोड मकानु?	क्या यह बड़ा मकान है?
परवेज़:	आ, यि छु बोड मकानु।	हाँ, यह बडा मकान है।
अशोक:	अथ कॅच़ कमरु छि?	इस के कितने कमरे हैं।
परवेज़:	अथ छि च़ोर कमरु।	इस के चार कमरे हैं।
	यि छे बैठक।	यह बैठक है।
	यिम छि ज़ु कुठ्य।	यह दो कमरे हैं।
	यि छु रनन कुठ।	यह रसोई हैं।
अशोक:	यि क्या छु?	यह क्या है।
परेवज़:	यि छु स्रानुकुठ।	यह अशनान ग्रह है।
अशोक:	ह्‌व क्या छे?	वह क्या है?
परेवज़:	ह्‌व छे वॉर।	वह वाटिका है।
अशोक:	ह्‌व कॅम्यसुन्ज़ वॉर छे?	वह किसकी वाटिका है।
परेवज़:	ह्‌व छे सॉन्य वॉर।	वह हमारी वाटिका है।
	यि छु सोन आंगुन।	यह हमारा आँगन है।
अशोक:	यि आंगुन छु स्यठा बोड।	यह आंगन बहुत बड़ा है।
	तुहुन्द् गरु छु बड़ु ज़ान।	अपका घर बहुत अच्छा है।

व्याकरण

इस पाठ मे संकेत वाचक सर्वनाम (demonstrative pronouns) और संबधवाचक सर्वनाम (possessive pronouns) का प्रयोग किया गया है। इसके अतिरिक्त सहायक क्रिया (auxiliary verb) वर्तमानकाल में है।

संकेतवाचक सर्वनाम

पु०		स्त्री०		
यि	यिम	यि	यिमु	'यह'
हु	हुम	ह्व	हुमु	'वह'
सु	तिम	स्व	तिमु	'वह' (नज़र से दूर)

सहायक क्रिया

छु	छि	छे	छे	'है/हैं'

प्रयोग

यि छु मकानु।	यह मकान है।
यिम छि मकानु।	ये मकान हैं।
यि छे वॉर।	यह वाटिका है।
यिमु छे वारि।	ये वाटिकाएँ हैं।

हु छु कुठ।	वह कमरा है।
हुम छि कुठ्य।	वे कमरे हैं।
ह्व छे बैठक।	वह बैठक है।
हुमु छे बैठकु।	वे बैठकें हैं।
सु छु अख कलम।	वह एक कलम है।
तिम छि ज़ु कलम।	वे दो कलम हैं।
स्व छे अख कुर्सी।	वह एक कुर्सी है।
तिमु छे त्रे कुर्सियि।	वे तीन कुर्सियाँ हैं।

संबधवाचक सर्वनाम

पु॰		स्त्री॰	
एक॰	*बहु॰*	*एक॰*	*बहु॰*
म्योन	म्यॉन्य	म्यॉन्य	म्यानि
सोन	सॉन्य	सॉन्य	सानि
चोन	चॉन्य	चॉन्य	चानि
तुहुन्द	तुहुन्द्य	तुहुंज़	तुहुंज़ु
तॅम्यसुंद	तॅम्यसुंद्य	तॅम्यसुंज़	तॅम्यसुंज़ु
तिमनहुंद	तिमनहुंद्य	तिमनहुंज़	तिमनहुंज़ु

प्रयोग

यि छु म्योन गरु।	यह मेरा घर है।
यि छु सोन गरु।	यह हमारा घर है।
यि छु चोन गरु।	यह तुमहारा घर है।
यि छु तुहुंद गरु।	यह आप का घर है।
यि छु तॅम्यसुंद गरु।	यह उसका घर है।
यि छु तिमनहुंद गरु।	यह उनका घर है।
यिम छि म्यॉन्न मकानु।	ये मेरे मकान हैं।
यिम छि सॉन्य मकानु।	ये हमारे मकान हैं।
यिम छि चॉन्य मकानु।	ये तुमहारे मकान हैं।
यिम छि तुहुंद्य मकानु।	ये आप के मकान हैं।
यिम छि तॅम्यसुंद्य मकानु।	ये उसके मकान हैं।
यिम छि तिमनहुंद्य मकानु।	ये उनके मकान हैं।
यि छॆ म्यॉन्य किताब।	यह मेरी किताब है।
यि छॆ सॉन्य किताब।	यह हमारी किताब है।
यि छॆ चॉन्य किताब।	यह तुमहारी किताब है।
यि छॆ तुहुंज़ किताब।	यह आपकी किताब है।
यि छॆ तम्यसुंज़ किताब।	यह उसकी किताब है।
यि छॆ तिमनहुंज़ किताब।	यह उनकी किताब है।

यिमु छे म्यानि किताबु।	ये मेरी किताबें हैं।
यिमु छे सानि किताबु।	ये हमारी किताबें हैं।
यिमु छे चानि किताबु।	ये तुमहारी किताबें हैं।
यिमु छे तुहुंज़ किताबु।	ये आप की किताबें हैं।
यिमु छे तॅम्यसुंज़ु किताबु।	ये उसकी किताबें हैं।
यिमु छे तिमनहुंज़ु किताबु।	ये उनकी किताबें हैं।

अभ्यास

1. निम्नलिखित अंख याद कीजिए?

१	अख	एक	ॲकिम / ग्वडन्युक	'पहला'
२	ज़ु	दो	दॊयिम	'दूसरा'
३	त्रे	तीन	त्रॆयिम	'तीसरा'
४	च़ोर	चार	ज़ूरिम	'चौथा'
५	पाँछ़	पाँछ	पाँचिम	'पाँचवा'
६	शे	छह	शॆयिम	'छटवाँ'
७	सथ	सात	सॅतिम	'सातवां'
८	ऑठ	आठ	ऑठिम	'आठवां'
९	नव	नव	नॅविम	'नववां'
१०	दॅह	दस	दॅहिम	'दसवां'

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए?

यि क्या छु?	यि छु मकानु।
यिम क्या छि?	यिम छि मकानु।
यि क्या छे?	यि छे किताब।
यिमु क्या छे?	यिमु छे किताबु।
ह्व क्या छु?	हु छु रनन कुठ/चोकु।
हुम क्या छि?	हुम छि स्रानु कुठ्य।
ह्व क्या छे?	ह्व छे वॉर।
हुमु क्या छे?	हुमु छे वारि।
यि कॅम्यसुंद गरु छु?	यि छु म्योन गरु।
यिम कॅम्यसुंद्य मकान छि?	यिम छि म्यॉम्य मकानु।
यि कॅम्यसुंज़ वॉर छे?	यि छे म्यॉन्य वॉर।
यिमु कॅम्यसुंज़ु वारि छे?	यिमु छे म्यानि वारि।
हु कॅम्यसुंद कुठ छु?	हु छु सोन कुठ।
हुम कॅम्यसुंद्य कुठ्य छि?	हुम छि सॉन्य कुठ्य।
ह्व कॅम्यसुंज़ बैठक छे?	ह्व छे सॉन्य बैठक।
हुमु कॅम्यसुंज़ु बैठकु छे?	हुमु छे सानि बैठकु।

3. निम्नलिखित वाक्यों को पूरा कीजिए?

यि छु म्योन ———। यि ——— छु?

यिम छि म्यॉन्य ———। यिम ——— छि?

यि छे म्यॉन्य ———। यि ——— छे?

यिमु छे म्यानि ———। यिमु ——— छे?

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी मे अनुवाद कीजिए?

१. यि छु म्योन गरु।

२. यि छु स्यठाह बोड।

३. हु छु चोन कुठ।

४. हुम छि चोर स्रानु कुठ्य।

५. ह्व छे तॅम्यसुंज़ वॉर।

६. तॅम्यसुंद गरु छु बड़ु जान।

७. यिम क्या छि?

८. यिम कॅम्यसुंद्य मकानु छि?

शब्दार्थ

मकानु	मकान	टॅच	शौचाल्य
अथ	इसका / इसके	आंगुन	आँगन
कॅच़	कितने	गरु	घर

स्यठा	बोड
बहुत	बड़ा
कमरु / कुठ्य	कमरे
बडु जान	बहुत अच्छा
रननकुठ / चोकु	रसोई घर
कॅम्य सुंद	किसका
स्नानु कुठ	अशनान ग्रह
कॅम्य सुंद्य	किसके
कॅम्य सुंज़	किस की
कॅम्य सुंज़ु	किस की

ज़ान पछान

परवेज़:	त्वहि छा तारुफ?	क्या आफ परिचित हैं।
रूबी:	नॅ यिम कम छि ?	नहीं ये कौन हैं?
परवेज़:	यि छु अशोक जी।	ये अशोक जी हैं।
	यि छु म्योन यार।	यह मेरा दोस्त है।
	अश़ोक, यि छॆ रूबी।	अशोक यह रूबी है।
अशोक:	आदाब अरॖज़।	आदाब।
रूबी:	आदाब।	आदाब।
अशोक:	हु क्या छु?	वह क्या है।
रूबी:	हु छु फोटू अल्बम।	वह फोटो अल्बम है।
अशोक:	यिम कम छि?	ये कौन हैं।
रूबी:	यि छु रियाज़,	यह रियाज़ हैं।
	सोन नॆचुव तु	हमरा बेटा और
	ह्व छॆ रोज़ी,	वह़ रोज़ी है,
	सॉन्य कूर।	हमारी बेटी।
अशोक:	तुह्ंद्य शुर्य छि	आपके बच्चे बहुत सुंदर
	बड़ु खूबसूरत।	हैं।
परवेज़:	हुम छि म्योन मोल	वे मेरे माता-पिता हैं।
	तु मॉज।	
अशोक:	यि छा तुहुंद सोरुय	क्या आप का पूरा परिवार
	अयाल।	है?
परवेज़:	आ, यि छु सोन अयाल।	हाँ, ये हमारा परिवार हैं।

अशोक:	अच्छा दियिव इजाज़थ।	अच्छा आज्ञा दीजिए।
परवेज़:	अच्छा बॅडिव दयस हवालु।	अच्छा जाइये ईश्वर के हवाले।

व्याकरण

इस पाठ मे प्रश्नवाचक सर्वनाम (interogative pronoun) का प्रयोग किया गया है। और 'नहीं' वाले वाक्य दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त संकेतवाचक सर्वनाम और संवाधवाचक सर्वनाम भी दोहराये गए हैं। सहायक क्रिया के आगे 'आ' जोड़ने से इसको प्रश्नवाचक वाक्य में बदला जाता है। ऐसे प्रश्नों का उतर 'हाँ' या 'ना' मे दिया जाता है।

उदाहरण

यि छु कलम।	यह कलम है।
यि छा कलम?	क्या यह कलम है?
आ यि छु कलम।	हाँ, यह कलम है।
नॅ यि छु नु कलम।	नहीं, यह कलम नहीं है।

प्रश्नवाचक सर्वनाम

पु॰		स्त्री॰	
कुस	कम	क्वस	कमु

यि कुस छु?	यह कौन है?
यिम कम छि?	ये कौन हैं?
यि क्वस छे?	यह कौन है?
यिमु कमु छे?	ये कौन हैं?

यि छु सोन नेचुव।	यह हमारा बेटा है ।
यिम छि सॉन्य नेचिव्य।	ये हमारे बेटे हैं ।
यि छे सॉन्य कूर।	यह हमारी बेटी है ।
यिमु छे सानि कोरि।	ये हमारी बेटियाँ हैं ।

यि क्या छु?	यि छु कलम।
	यि छु फोटू।
यि कुस छु?	यि छु अशोकु।
	यि छु शॉगिरुद।
त्वहि छा पानुवॉन्य तारुफ?	क्या आप एक दूसरे को जानते हैं?
यिम ज़ॉन्यहूखा?	क्या आप इनहें जानते हैं?

अभ्यास

1. निम्नलिखित अंक याद कीजिए?

११	काह	'ग्यारह'	कॅहिम	'ग्यारवां'
१२	बाह	'बारह'	बॅहिम	'बारवाँ'
१३	त्रुवाह	'तेरह'	त्रुवॉहिम	
१४	च़्वदाह	'चौदह'	च़्वदॉहिम	
१५	पंदाह	'पंद्रह'	पंदॉहिम	
१६	शुराह	'सोलह'	शुरॉहिम	
१७	सदाह	'सत्रह'	सदॉहिम	
१८	अरदाह	'अठारह'	अरदॉहिम	
१९	कुनुवुह	'उन्नीस'	कुनुवुहिम	
२०	वुह	'बीस'	वुहमि	

2. निम्नलिखित विभिन्न प्रकार के अभिवादन (mode of greetings) पढ़िए और समझाए?

महारा	नमस्कार महारा	क्या महारा
हज़	असलाम अलैकुम हज़	क्यासॉ
जिनाब	वालयकुम सलाम	क्या हज़
सॉ	सलाम हसॉ	क्या जिनाब

नमस्कार हसॉ।
आदाब अरुज़ जिनाब।
बॅडिव वारुकारु।

3. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए?

(i) यि कुस छु? यि छु अशोक।
यिम कम छि? यिम छि शॉगिरुद।
यि [illegible] छे? यि छे रूबी।
यिमु कमु छे? यिमु छे कोरि।

(ii) यि छा चोन मोल? आ, यि छु म्योन मोल।
यिम छा चॉन्य शुर्य? आ, यिम छि म्यॉन्य शुर्य।
यि छा चॉन्य आशन्य? आ, यि छ म्यॉन्य आशन्य।
यिमु छा चानि कोरि? आ, यिमु छे म्यानि कोरि।

(iii) यि छुना तुहुंद फोटू? नॅ यि छु नु म्योन फोटू।
यिम छिना तुहुंद्य शुर्य? नॅ यिम छिनु सॉन्य शुर्य।
यि छेना तुहुंज़ मॉज? नॅ यि छेनु म्यॉन्य मॉज।
यिमु छेना तुहुंज़ु कोरि? नॅ यिमु छेनु सानि कोरि।

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी मे अनुवाद कीजिए?

(१) यि कुस छु?

(२) यि छु म्योन मोल।
(३) हु छुना सोन गरु ?
(४) ह्व छै सॉन्य कूर रोज़ी।
(५) अशोकु छु तुहुंद शॉगिरुद।
(६) आ, यि छु म्योन गरु।
(७) नॅ महारा यि छुनु म्योन फोटू।

शब्दार्थ

ज़ान पछान 'जान पहचान/परिचय'

कूर	'बेटी'	तारुफ	'परिचय'
कोरि	'बेटियां'	कुस	'कौन (प.ए)
बॅनि	'बहिन/बहिनें	कम	'प.ब'
बोय	'भाई'	क्वस	'ह.ए'
बॉय	'भाई' (ब)	कमु	'ह.ब'
मोल	'पिता'	आ	'हाँ'
मॉल्य	'पिता ब'	नॅ	'नहीं'
मॉज	'माँ'	यार	'यार/दोस्त'
माजि	'माएँ'		

शॉगिरुद 'शागिरद/शिषय'

खूबसूरत	'सुंदर'	आशैन्य	'पत्तनी'
अयाल	'परिवार'	तु	'और'
सोरुय	'सारा'	नैचुव	'बेटा'
बॅडिव	'जइयि'	नैचिव्य	'बेटे'

वारुकारु 'सही सलामत'

कॉम-कार

	ठुक ठुक	दस्तक की अवाज़ (दरवाज़े पर)
अशोक्:	कुस छुव ?	कौन है ?
रोज़ी:	बु छस रोज़ी।	मैं रोज़ी हूँ।
अशोक्:	नमस्कार रोज़ी जी।	नमस्कार रोज़ी जी।
रोज़ी:	नमस्कार महारा।	नमस्कार जी।
अशोक्:	चु छखुसॉ वारय?	आप ठीक—ठाक हैं।
रोज़ी:	अहन महारा वारय।	हाँ जी! ठीक हुँ।
	तोह्य छिवु वारय?	आप ठीक—ठाक हैं?
अशोक्:	आ, बिलकुल ठीख।	हाँ, बलिकुल ठीक।
	यिम छि म्यॉन्य यार, परवेज़ सॉब तु मोहन जी।	ये मेरे मित्र हैं परवेज़ साहिब और मोहन जी। परवेज़ साहिब
	परवेज़ सॉब छि माश्टर तु मोहन जी छि डाक्टर।	मास्टर हैं और मोहन जी डाक्टर हैं।
रोज़ी:	तुहुंद बोय ति छा डाक्टर?	क्या आपका भाई भी डाक्टर है?
मोहनु:	न महारा, तिम छिनु डाक्टर, तिम छि वॅकील।	नहीं जी वे डाक्टर नहीं हैं वह वकील हैं।
रोज़ी:	परवेज़ सॉब छा कॉशुर?	क्या परवेज़ साहिब कशमीरी हैं?

अशोक्:	आ, यि छु कॉशुर।	हाँ, यह कशमीरी है।
	मोहन जी छु पंजॉब्य।	मोहन जी पंजाबी हैं।
रोज़ी:	म्योन अख यार ति छु वॅकील।	मेरा एक मित्र भी वकील है।
	सु छु बंगाल्य।	वह बंगाली है।
परवेज़:	खॉर बंगॉल्य या पंजाब्य, ऑस्य सॉरी छि हेंदुस्तॉन्य।	खैर बंगाली या पंजाबी हम सब हिंदुस्तानी हैं।
अशोक्:	आ बेशक।	जी हाँ बेशक/निसंदेह।
रोज़ी:	अच्छा महारा दियिव इजाज़थ।	अच्छा जी आज्ञा दीजिये?
अशोक् :	नीरिव वारुकारु।	जाइए, सही सलामत।

व्याकरण

इस पाठ मे पुरूषवाचक सर्वनाम (personal prnoun) का प्रयोग किया गया है, और सहायक क्रिया को वर्तमानकाल मे दिखाया गया है।

पुरूषवाचक सर्वनाम

	पु०		स०	
IP	बु	ऑस्य	बु	ऑस्य

IIP	च़ु	तोह्य	च़ु	तोह्य
IIIP	हु / सु	हुम / तिम	ह्व / स्व	हुमु / तिमु

सहायक क्रिया (वर्तमानकाल में)

IP	छुस	छि	छस	छे
IIP	छुख	छिव	छख	छव
IIIP	छु	छि	छे	छे

बु छुस कॉशुर।	मैं कशमीरी हूँ।
ॲस्य छि कॉशिर्‌य।	हम कशमीरी हैं।
बु छस कॉशिर।	मैं कशमीरी हूँ।
ॲस्य छे कॉशिरि।	हम कशमीरी हैं।

वारय छिवु सॉ?	आहनसॉ वारय।
वारय छिवु महारा?	आहन महारा वारय।
गरि छिवा वारय?	आहन महारा वारय छि।
अच्छा बॅडिव दयस हवालु।	

ठीक हिंदी की तरह ही कशमीरी मे भी मध्यम पुरुष (II person) और अन्य पुरुष (III person) को सतकार देने के लिये एकवचन व्यकति के लिये बहुवचन रूप का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण

च़ु छुख डाक्टर।	तुम डाक्टर हो।
तोह्य छिव डाक्टर।	आप डाक्टर हैं।
सु छु डाक्टर।	वह डाक्टर है।
तिम छि मासटर।	वे मासटर है।

अभ्यास

1. निमलिखित अंक याद कीजिये?

२१	अकुवुह	२६	शेतवुह
२२	ज़ुतोवुह	२७	स्तोवुह
२३	त्रोवुह	२८	अठोवुह
२४	च़ोवुह	२९	कुनत्रुह
२५	पुंच़ुह	३०	त्रुह

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए?

च़ु कुस छुख?	बु छुस कॉशुर।
च़ु कुस छुख?	बु छुस पंजॉब्य।
च़ु कुस छुख?	बु छुस बंगॉल्य।
च़ु कुस छुख?	बु छुस मरॉठ्य।
च़ु कुस छुख?	बु छुस हेंदुस्तॉन्य।
च़ु कुस छुख?	बु छुस प्रॉफेसर।

च़ु क्वसु छख?	बु छस कॉशिर।
च़ु क्वसु छख?	बु छस गुजरॉत्य।
च़ु क्वसु छख?	बु छस असॉम्य।
च़ु क्वसु छख?	बु छस रूसी।
च़ु क्वसु छख?	बु छस डाक्टर बाय।
च़ु क्वसु छख?	बु छस मास्टर बाय।
तोह्य कम छिव?	अॅस्य छि कॉशिर्य।
तोह्य कम छिव?	अॅस्य छि हेंदुस्तॉन्य।
तोह्य कम छिव?	अॅस्य छि अंगरेज़।
तोह्य कम छिव?	अॅस्य छि वॅकील।
तोह्य कमु छवु?	अॅस्य छे कॉशिरि।
तोह्य कमु छवु?	अॅस्य छे कोरि।
तोह्य कमु छवु?	अॅस्य छे मास्टर बायि।
तोह्य कमु छवु?	अॅस्य छे डाक्टर बायि।
सु कुस छु?	सु छु प्रोफेसर।
सु कुस छु?	सु छु इंजीनियर।
सु कुस छु?	सु छु बापॉर्य।

तिम कम छि?	तिम छि प्रोफेसर।
तिम कम छि?	तिम छि अशोक जी।
तिम कम छि?	तिम छि डाक्टर सॉब।
चु छुखा डाक्टर?	आ बु छुस डाक्टर।
चु छखा कॉशिर?	आ बु छस कॉशिर।
सु छा अंगरेज़?	आ सु छु अंगरेज़।
स्व छा डाक्टर बाय?	आ स्व छे डाक्टर बाय।
तोह्य छिवा मास्टर जी?	आ बु छुस मास्टर।
	आ अॅस्य छि मास्टर।
तोह्य छवा डाक्टर सॉब?	आ बु छस डाक्टर।
	आ अॅस्य छे डाक्टर।
तिम छा हिंदुस्तॉन्य?	आ सु छु हेंदुस्तॉन्य।
	आ तिम छि हेंदुस्तॉन्य।
परवेज़ सॉब छिना डाक्टर?	नॅ तिम छि नु डाक्टर।
	तिम छि मास्टर।

3. निम्नलिखित वाकयों का हिंदी में अनुवाद कीजिए?

(१) बु छुस कॉशुर।

(२) अॅस्य छि कॉशिर्य।

(३) चु़ कुस छुख?
(४) तोह्य छिवा अंगरेज़।
(५) परवेज़ सॉब छा प्रोफेसर?
(६) आ बेशक़ बु छुस हेंदुस्तॉन्य।
(७) सु छु म्योन डाक़्टर।
(८) ॲस्य सॉरी छि हेंदुस्तॉन्य।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए?
(१) तोह्य कम छिव?
(२) तोह्य क्या छिव?
(३) मोहन जी छि ना डाक्टर?
(४) अशोक छा बापॉरय?
(५) तुहुंद यार क्या छु?

शब्दार्थ

कॉम कार	'काम काज'	बापॉर्य	'ब्यापारी'
बु	'मैं'	दोस	'दोस्त / मित्र
ॲस्य	'हम'	कॉशुर	'कश्मीरी'
चु़	'तुम'	कॉशिर्य	'पु० ब'

तोह्य	'आप'	कॉशिर	'स्० ब'
		कॉशिरि	'स्० ब०'
पंजॉब्य	'पंजाबी'	बंगॉल्य	'बंगाली'
हेंदुस्तॉन्य	'हिन्दुस्तानी'	सॉरीय	'सारे'
रूसी	'रूसी'	सॉब	'साहिब'
अंगरेज़	'अंग्रेज़'	तु	'और'
नेरुन	'निकलना'		

हु / सु / ह्व / स्व 'वह'

हुम / तिम / हुमु / तिमु 'वे'

✲ ✲ ✲

टेलिफोनस प्यठ कथ बाथ

रीता: हेलो।	हेलो।
रूबी: हेलो, तोह्य कम छिव बोलान?	हेलो, आप कौन बोल रहे हैं।
रीता: बु छस रीता ।	मै रीता हूँ।
रूबी: नमसकार, वारय छखय?	नमस्ते, कैसी हो।
रीता: अहानी वारय, तोह्य छिवु वारय?	हाँ ठीक हूँ, क्या आप ठीक हैं।
रूबी: आ, बिलकुल ठीक पॉठ्य।	हाँ! बिलकुल ठीक ठाक।
रीता: ज़ु क्या छख करान?	तुम क्या कर रही हो।
रूबी: बु छस बतु खेवान।	मैं खाना खा रही हूँ।
शुर्य छि गिंदान।	बच्चे खेल रहे हैं।
तु तोह्य क्या छिव करान।	और आप क्या कर रहे हैं।
रीता: बु छस बतु रनान।	मै खाना बना रही हूँ।
निकु छु परान।	बेटा पढ़ रहा है।
अशोक जी छु आराम करान।	अशोक जी आराम कर रहे हैं।
अति क्या छु कॉफी शोर गछ़ान।	वहाँ इतना शोर क्यों हो रहा है।
रूबी: यिम शुर्य छि गिंदान।	ये बच्चे खेल रहे हैं।

तला शोर म कॅरिव।	ज़रा (बच्चो) शोर मत करो।
टी वी कॅरिव बंद।	टी,वी बंद करो।
बु छस कथ करान।	मैं बात कर रही हूँ।
रीता: अच्छा खॆ चु बतु, पतु करव कथ।	अच्छा तुम खाना खाओ, बाद मैं बात करें गे।
रूबी: नमसकार, ऒरज़ुव।	नमसकार, सेहतमंद रही।

व्याकरण

इस पाठ मै क्रिया का प्रयोग अज्ञार्थक (imperative) भावार्थक (infinitive) और घटमानकाल (progressive form) मै किया गया है। सहायक क्रिया वर्तमानकाल मे है। कशमीरी मैं दो तरह के धातु (verb root) हैं। एक के आखिर मै व्यनजण आता है और दूसरे के अंत मै स्वर आता है। इस समूह मै केवल 7 (साथ) धातु हैं। क्रिया के विभिन्न रूप परप्रत्यय (suffix) जोड़ने से बनते हैं।

उदाहरण

खॆ	+	वान	खॆवान
चॆ	+	वान	चॆवान
हॆ	+	वान	हॆवान

नि	+	वान	निवान
यि	+	वान	यिवान
दि	+	वान	दिवान
पॆ	+	वान	पॆवान
पर	+	आम	परान
कर	+	आन	करान
रन	+	आन	रनान
बोल	+	आन	बोलान
बोज़	+	आन	बोज़ान
छ़ंल	+	आन	छलान

कश्मीरी मै 'जाता हूँ' और 'जा रहा हूँ' वाक्यों मैं कोई अंतर नहीं है।

सु छु गछ़ान	वह जाता है/ वह जा रहा है।
बु छुस परान	मैं पढ़ता हूँ/ मैं पढ़ रहा हूँ।

च़ु क्या छुख करान?	ब छुस परान।
तोह्य क्या छिव करान?	अॅस्य छि कॉम करान।
रीता छा फोन करान?	आ, रीता छे फोन करान।

अभ्यास

1. निम्नलिखित क्रिया समूह पढ़िए और समझए?

कर	कॅरिव	करुन	करान	'करना'
पर	पॅरिव	परुन	परान	'पढ़ना'
गिंद	गिंदिव	गिंदुन	गिंदान	'खेलना'
बोल	बूलिव	बोलुन	बोलान	'बोलना'
रन	रॅनिव	रनुन	रनान	'पकाना'
गछ़	गॅछ़िव	गछ़ुन	गछ़ान	'जाना'
व्वथ	वॅथिव	व्वथुन	व्वथान	'उठना'
बेह	बिहिव	बेहुन	बेहान	'बैठना'
पख	पॅकिव	पकुन	पकान	'चलना'
वुछ	वुछिव	वुछुन	वुछान	'देखना'
रोज़	रूज़िव	रोज़ुन	रोज़ान	'रहना'
खे	खेयिव	ख्योन	खेवान	'खाना'
चे़	चेयिव	च्योन	चेवान	'पीना'

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए?

च़ु क्या छुख करान? बु छुस किताब परान।

तोह्य क्या छिव करान? अॅस्य छि अखबार परान।

सु क्या छु करान?	सु छु बतु खेवान।
तिम क्या छि करान?	तिम छि आराम करान।
च़ु क्या छख करान?	बु छस कथ करान।
तॊह्य क्या छव करान?	ऑस्य छे बतु खेवान।
स्व क्या छे करान?	स्व छे टेलिफोन करान।
तिमु क्या छे करान?	तिमु छे शोर करान।
बु छुसा बतु खेवान?	आ, च़ु छुख बतु खेवान।
ऑस्य छा चाय चेवान?	आ, तॊह्य छिव चाय चेवान।
च़ु छखा अखबार परान?	आ, बु छस अखबार परान।
तॊह्य छिवा फिलिम वुछान?	आ, ऑस्य छि फिलिम वुछान।
सु छा पकान?	आ, सु छु पकान।
तिम छा बेहान?	आ, तिम छि बेहान।
बु छस ना बतु रनान?	नॅ च़ु छख नु बतु रनान।
ऑस्य छना चाय चेवान?	नॅ तॊह्य छव नु चाय चेवान।
शीलु छे ना थोद व्वथान?	नॅ शीलु छेनु थोद व्वथान।
कोरि छे ना पथर बेहान?	नॅ कोरि छेनु पथर बेहान।

3. निम्नलिखित वाक्यों को माडल अनुसार बदल दीजिए?

च़ु कर कॉम।	तोह्य कॅरिव कॉम।
च़ु रन बतु।	
च़ु पर किताब।	
च़ु वुछ फिलिम।	
च़ु कर आराम।	आराम कर।
च़ु ख्यॆ बतु।	
च़ु चॆ चाय।	
च़ु व्वथ थोंद।	
च़ु बेह पथर।	
तोह्य पॅरिव सबख।	सबख पॅरिव।
तोह्य कॅरिव कॉम।	
तोह्य रॅनिव बतु।	
तोह्य गॅछ़िव गरु।	
शोर कर।	शोर मु कर।
किताब पर।	
बत खॆ।	
चाय चॆ।	
टॆलिफोन कर।	

गरु गॅछ़िव।　　　　　　　　　　गरु मु गॅछ़िव।

फोन कॅरिव।

कॉशुर पॅरिव।

कॉम कॅरिव।

4. निम्नलिखित वाक्यों का कशमीरी मैं अनुवाद कीजिए?

(१) तुम क्या कर रहे हो?

(२) आप क्या कर रहे हैं?

(३) क्या शीला खाना पका रही है?

(४) घर जाओ।

(५) बिजली बंद करो।

(६) शोर मत करो।

(७) पाठ पढ़िये।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए?

(१) तोह्य क्या कॉम छ़िव करान?

(२) तोह्य कति छ़िव रोज़ान?

(३) तुहुंद मोल क्या छु करान?

(४) तोह्य छ़िवा कॉशुर हेछान?

(५) तोह्य क्वसु किताब छ़िव परान?

शब्दार्थ

'टॅलिफोनस प्यठ'	'टॅलिफोन पर'
कथ बाथ	'बात चीत'
बंद करुन	'बंद करना'
बतु	'खाना, भात'
थोद व्वथुन	'खड़ा होना'
वथ॒र बिहुन	'नीचे बैठना'
कथ	'बात, कहानी'
कथु	'बातें, कहानियां'
प्यॊन	'पड़ना, गिरना'
ह्यॊन	'लेना, खरीदना'

कति	'कहाँ'	थोद	'उंचा'
शुर	'बच्चा'	पथर	'नीचे'
शुर्य	'बच्चे'	शोर	'शोर'
करुन	'करना'	तॊलि	'तब'
बोलुन	'बोलना'	परुन	'पढ़ना'
गिंदुन	'खेलना'	रनुन	'पकाना'
ख्यॊन	'खाना'	गछुन	'जाना'
च्यॊन	'पीना'	व्वथुन	'उठना'

बिहुन	'बैठना'	पकुन	'चलना'
द्युन	'देना'	वुछुन	'देखना'
न्युन	'लेना'	रोज़ुन	'रहना'
युन	'आना'		

कॉशुर कॉशिर्‌य तु कॅशीर

कलहन:	नमस्कार महारा प्रोफेसर सॉब बु अचा अंदर?	नमस्कार प्रोफेसर साहिब क्या मैं अंदर आ सकता हूँ।
प्रोफेसर:	नमस्कार, अछ़ सॉ, वन सॉ वारय छुखुसाँ?	नमस्कार, आइए, कहिए क्या हाल हैं।
कलहन:	अहन महरा वारय, तोह्य छिवा महारा कॉशुर परनावान?	जी, मैं ठीक हूँ। क्या आप कशमीरी पढ़ाते हैं।
प्रोफेसर:	आ, अदु?	हाँ, तों
कलहन:	बु महारा छुस कॉशुर हेछान, तोह्य कॅर्‌यवा मे मदथ?	जी मैं कशमीरी सीख रहा हूँ। क्या आप मेरी मदद करेंगे?
प्रोफेसर:	आ ज़रूर, यि छे ख्वशी हुंज़ कथ। तोह्य छिव कॉशुर जान बोलान।	हाँ ज़रूर, यह खुशी की बात है। आप कशमीरी अच्छी बोलते हैं।
कलहन:	तोह्य दियितव मे कांह कॉशिर किताब तु बेयि डिकशनरी।	आप मुझे कोई कशमीरी पुस्तक दीजिए और एक डिकशनरी।
प्रोफेसर:	रॅटिव यि किताब तोह्य कर आयिवु	लीजिए यह पुस्तक आप कशमीर कब आए?

	कॅशीरि?	
कलहन:	बस अख रेथ ब्रोंह। असली छुस बु दिलि रोज़ान। येति छुस नोकरी करान।	बस एक मास पहले वास्तव मैं दिल्ली मैं रहता हूँ। यहाँ नोकरी करता हूँ।
प्रोफेसर:	बु ति ओसुस ब्रोंह दिलि रोज़ान। म्योन मोल ओस तति नोकरी करान। तोह्य कॅरिव फिलहाल कॅशीरि चक्रा वक्रा।	मैं भी पहले दिल्ली मैं रहता था। मेरे पिताजी वहाँ नौकरी करते थे। फिलहाल आप कशमीर की सैर कीजिए।
कलहन:	अच्छा महारा कॅशीरि मुतलक वॅनिव कॆंह खास कथु।	अच्छा जी कशमीर के बारे मै कुछ विशेष कहिये ?
प्रोफेसर:	वुछिवसॉ कलहन जी कॅशीर छे अख स्वंदर जाय। येति छे वारयाह वुछनि लायख जायि। मसलन पॅहलगाम, गुलमर्ग, स्वनुमर्ग, क्वकरनाग, वेरनाग, म्वगुल बाग, व्वलर तु डल वगॉरु।	देखिए कलहन जी कशमीर एक सुन्दर स्थान है। यहाँ पर काफी देखने वाली जगहें हैं। पहलगाम, गुलमर्ग, स्वनमर्ग, कुकरनाग, वेरीनाग, मुगलबाग़, वुलर और डलझील।
	आबुहवा छु बडु जान।	आबो-ह्वा बड़ी अच्छी है।

	कॉशिर्य छि ज़्यादुतर	कशमीरी अधिकतर मास
	बतु तु माज़ खेवान।	और चावल खाते हैं।
	हाख छे अख आम	कडम का साग एक लोकप्रिय
	सबज़ी। फेरन छु अख	सबज़ी है। फेरन एक विशेष
	खास प्वशाख। कॉशिर्य	लिबास है। कशमीरी कंगडी
	छि कांगुर तपान।	का सेक लेते हैं।
	बेहथर रीज़ि अगर तौह्य	यदि आप हर रविवार या
	प्रथ आथवारि या छुटी	छुटी वाले दिन यहाँ आते
	द्वहु योर यिवान ऑसिव	रहें हम इकठे बैठा करेंगे
	ॲस्य आसव यिकवटुऔर	मैं आपको कशमीरी
	बेहान तु बु आसु त्वहि	पढ़ाया करूंगा।
	काशुर परनावान।	
कलहन:	आहन महारा, ति छु	जी हाँ, वह ठीक है।
	ठीख अच्छा महारा	अच्छा जी, धन्यवाद।
	शुकरिया।	
प्रोफेसर:	लॅसिव, बॅडिव दयस	जीते रहिए, जाइए ईश्वर के
	हवालु।	हवाले।

व्याकाण

इस पाठ में क्रिया घटमानकाल (progressive form) में है और सहायक क्रिया को वर्तमान, भूतकाल और भविष्यकाल में

दिया गया है।

सहायक क्रिया (भूतकाल में)

	पु॰		स्त्री॰	
IP	ओसुस	ऑस्य	ऑसुस	आसु
IIP	ओसुख	ऑस्यवु	ऑसुख	आसवु
IIIP	ओस	ऑस्य	ऑस	आसु

बु ओसुस किताब परान।	मै पुस्तक पढ़ रहा था।
अॅस्य ऑस्य किताब परान।	हम पुस्तक पढ़ रहे थे।
बु ऑसुस चिठ्य लेखान।	मै चिठि लिख रही थी।
अॅस्य ऑसु चिठ्यि लेखान।	हम चिठियां लिख रहे थे।

सहायक क्रिया (भविष्यकाल मे)

	ए	ब
IP	आसु	आसव
IIP	आसख	ऑसिव
IIIP	आसि	आसन

बु आसु कॉशुर परान।	मैं कश्मीरी पढ़ रहा हूंगा।
	मैं कश्मीरी पढ़ रही हूंगी।

अॅस्य आसव कॉशुर परान।	हम कशमीरी पढ़ रहे होंगे। हम कश्मीरी पढ़ रही होंगी।
़चु आसख कॉशुर परान।	तू कश्मीरी पढ़ रहा होगा। तू कश्मीरी पढ़ रही होंगी।
तोह्य ऑसिव कॉशुर परान।	आप कश्मीरी पढ़ रहे होंगे। आप कशमीरी पढ़ रही होंगी।
सु/स्व आसि चिठ्य लेखान।	वह चिठ्ठ लिख रहा होगा। वह चिठ्ठ लिख रही होगी।
तिम/तिमु आसन चिठि लेखान।	वे चिट्ठी लिख रहे होंगे। वे चिट्ठी लिख रही होंगी।

भविष्यकाल के परप्रत्यय इस प्रकार हैं

अ़	अव
अख	इव
इ	अन

बु परु किताब।	मै पुस्तक पढ़ूँगा।
अॅस्य परव किताब।	हम पुस्तक पढ़ें गे।
़चु परख किताब।	तू पुस्तक पढ़े गा/गी।
तोह्य पॅरिव क़िताब।	आप पुस्तक पढ़े गे।
सु/स्व परि क़िताब।	वह पुस्तकें पढ़े गा/पढ़े गी

तिम/तिमु परन किताबु वे पुस्तक पढें गे/पढ़े गी

जिन क्रियाओं के अंत मे व्यंजन आता है वहाँ पर परप्रत्यय से पहले 'म' या 'य' आता है। चूंकि कश्मीरी मे दो व्यंजनों का गुछा मान्य नहीं है।

उदाहरण

बु खॆमु बतु।	मै खाना खाऊँगा।
ॲस्य खॆमव बतु।	हम खाना खाएंगे।
़चु खॆख बतु।	तुम खाना खाओगे।
तोह्य खॆयिव बतु।	आप खाना खाएंगे।
सु खॆयि बतु।	वह खाना खाएंगा।
तिम खॆन बतु।	वे खाना खाएंगे।

प्रेरणाथर्क क्रिया (causative verb)

धातु के साथ निम्नलिखित परप्रत्यय जोडे जाते हैं।

पर	+	नाव	परनाव	'पढ़ाओ'
कर	+	नाव	करनाव	'कराओ'
खॆ	+	आव	ख्याव	'खयाव'
चॆ	+	आव	च्याव	'पिलाव'
परनाव	+	नाव	परनावनाव	'पढ़वाव'

करनाव +	नाव	करनावनाव	'करवाव'
ख्याव +	नाव	ख्यावनाव	'खिलवाव'
च्याव +	वान	च्यावनाव	'पिलवाव'

क्रिया विशेषण (adverb)

योर /योत	'यहां'	येति 'यहां पर'
ओर/ओत	'वहां'	अति 'वहां पर'
तोर /तोत	'वहां'	तति 'वहां पर'
कोर/कोत	'कहां'	कति 'कहां पर'

हफ्तुक्य द्वह

अज़ क्वसु वार छे?	अज़ छे च़ॅदुरवार।
पगाह क्वसु वार छे?	पगाह छे बोमवार।
कॉल्यक्यथ क्वसु वार छे?	कॉल्यक्यथ छे ब्वदवार।
तमि कॉल्यक्थ क्वसु वार छे?	तमि कॉल्यक्यथ छे ब्रसवार।
राथ क्वसु वार ऑस?	राथ ऑस आथवार।
ओतुर क्वसु वार ऑस?	ओतरु ऑस बटुवार।
तमि ओतरु क्वसु वार ऑस?	तमि ओतरु ऑस शोकुरवार।

·अभ्यास

1. निम्नलिखित अंक याद कीजिए?

३१	अकुत्रुह	४१	अकुतॉजी
३२	दोयत्रुह	४२	दोयतॉजी
३३	तेयित्रुह	४३	तेयितॉजी
३४	ज़्वयित्रुह	४४	ज़्वयितॉजी
३५	पाँज़ुत्रुह	४५	पाँज़ुतॉजी
३६	शेयित्रुह	४६	शेयितॉजी
३७	सतत्रुह	४७	सतुतॉजी
३८	अरुत्रुह	४८	अरतॉजी
३९	कुनुतॉजी	४९	कुनवंज़ाह
४०	च्तजी	५०	पंज़ाह

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िये और समझाए?

बु	छुस	ओसुस	आसु	किताब परान।
ऑस्य	छि	ऑस्य	आसव	किताब परान।
बु	छस	ऑसुस	आसु	किताब परान।
ॲस्य	छे	आसु	आसव	दिलि गछान।
ज़ु	छुख	ओसुख	आसख	कॅशीरि रोज़ान।

तोह्य	छिव	ऑस्यवु	ऑसिव	डिकश्नरी कुछान।
सु	छु	ओस	आसि	बालि गिंदान।
तिम	छि	ऑस्य	आसन	चक्र वक्र क्यान।
स्व	छे	ऑस	आसि	कांगुर तपान।
तिमु	छे	आसु	आसन	गरु गछ़ान।

2. च़ु क्या छुख करान? बु छुस कॉशिर किताब परान।
तोह्य क्या छिव करान? ॲस्य छि कॉशुर हेछान।
लॅडकु क्या छु करान? लॅडकु छु कॉशुर बोलान।
कोरि क्या छे करान? कोरि छे बतु रनान।

3. च़ु क्या ओसुख करान? बु ओसुस कॉम करान।
तोह्य क्या ऑस्यवु करान? ॲस्य ऑस्य कथ बाथ करान।
च़ु क्या ऑसुख करान? बु ऑसुस बतु रनान।
तोह्य क्या आसवु करान? ॲस्य आसु कालेज गछ़ान।

4. मोहन कौत ओस गछ़ान? माहन ओस गरु गछ़ान।
लॅडकु कति ऑस्य रोज़ान? लॅडक ऑस्य दिलि रोज़ान।

कूर क्या ऑस करान? कूर ऑस फोन करान।
कोरि कति आसु परान? कोरि आसु कालजि परान।

5. ़चु क्या आसख करान/परान? — बु आसु सबख परान।
तोह्य क्या ऑसिव करान/वुछान? — अॅस्य आसव फिलिम वुछान।
कूर क्या आसि करान/रनान? — कूर आसि बतु रनान।
तिम क्या आसन बोलान? तिम आसन कॉशुर बोलान।

़चु क्या करख/परख? बु परु नावल।
तोह्य क्या कॅरिव/वुछिव? अॅस्य वुछव ड्रॉमा।
बु क्या खेमु? ़चु खेख माज़ बतु।
अॅस्य क्या खेमव? तोह्य खेयिव सबज़ी।
सु/स्व क्या परि? सु/स्व परि सबख।
तिम/तिमु क्या परन? तिम/तिमु परन चिठि।

3. निम्नलिखित वाक्यों को (model) अनुसार बदलये?
१) बु ओसुसा किताब परान? आ, ़चु ओसुख किताब परान।
नॅ, ़चु ओसुख नु किताब परान।

बु ऑसुसा चाय चेवान?
अॅस्य आसा बतु खेवान?
अॅस्य ऑस्या गरु गछान?
तिम ऑस्या दिलि रोज़ान?
तिम ऑस्या फिलिम वुछान?

१) बु आसा कॉशुर बोलान? आ, चु आसख कॉशुर बोलान।
नॅ, चु आसखनु कॉशुर बोलान।
अॅस्य आसुवा छुटी करान?
सु आस्या अखबार परान?
तिम आसुना यिकुवटु रोज़ान?

३) मासटर छु कॉशुर परान। मास्टर छु कॉशुर परनावान।।
सु छु कॉम करान।
रीता छे बतु रनान।
तोह्य छिव हाकी गिंदान।
चु छुख फिलिम वुछान।

४) शीलु छे बतु खेवान। शील छे बतु ख्यावान।
कोरि छे चाय चेवान।
चु छुख पलव हेवान।

तोह्य छिव सबज़ी दिवान।

सु छु चिठ्य निवान।

4. ब्रेकट मे दिये गए शब्दों का प्रयोग करतेहुए निम्नलिखित वाक्यों के प्रश्न लिखिये?

बु छुस कॉशुर परान।	(क्या)
अॅस्य छि कॅशीरि रोज़ान।	(कति)
सु छु गरु गछ़ान।	(कोत)
अज़ छे आथवार।	(क्वस)
आ, म्यॉन्य ज़नान छे वुनि दिलि।	(वुनि)
मोहनु छु व्वन्य दिलि रोज़ान।	(व्वन्य)
आथवारि दूहु छे छुटी आसान।	(कर)

शब्दार्थ

कॉशुर	कशमीरी भाषा/आदमी		
ज़्यादुतर	'अधिकतर'		
कॉशिर्य	कश्मीरी प.ब	अज़	'आज'
कॉशिर	स्.ए	पगाह	'कल'
कॉशिरि	स्.ब	कॉल्यक्यथ	'परसों'

कॅशीर	कशमीर	राथ	'कल'
कॅशीरि (मंज़)	कशमीर में	ओत्र्	'परसों'
बतु	'खाना'	हफतु	'सप्ताह'
माज़	'मास'	र्येथ	'महीना'
पानु वॉन्य	'आपस में'	वॅरी	'साल'
बड़ु	'बहुत'	जान	'अच्छा'
मिलचा़र	'एकता'	कांह	'कोई'
द्वह	'दिन'	कॅह	'कई,कुछ'
वार	'वार'	जाय	'जगह'
यिकुवटु	'इक्कठे'	बॅयि	'और'
सान	'साथ'	कर	'कब'
प्रथकांह	'हर एक'	कति	'कहां पर'
आथुवार	'रविवार'	कोत	'कहां'
च़ंदुरवार	'सोमवार'	कुस / क्वसु	'कौन'
बोमवार	'मंगलवार'	वुनि	'अभी'
ब्वदवार	'बुधवार'	व्वन्य	'अब'
ब्रसवार	'वीरवार'	तॅत्य	'वहीं'
शोकुरवार	'शुक्रवार'	गरिक्य	'घर वाले'
बटुवार	'शनीवार'		
खॉतरु / बापथ	'केलिये'		

ब्रॉह / ब्रोंठ	'आगे,पहले'
पतु	'पीछे बांद में'
ग्वॅडु	'पहले प्रथम'
हेछुन	'सीखना'
रटुन	'पकड़ना'
अंदर अचुन	'अंदर आना'
नेबर नेरुन	'बाहिर जाना'
थोद व्वथुन	'खड़ा होना'
पथर बिहुन	'नीचे बैठना'
हुकुम करुन	'आज्ञा देना'
मदथ करुन	'सहायता करना'

***

हसपतालस मंज़

डाक्टर:	च़े क्या छुय नाव?	तुम्हरा नाम क्या है?
मॅरीज़:	मे छु नाव परेवज़।	मेरा नाम परेवज़ है।
डाक्टर:	च़ु कॅच़ वुहुर छुख?	तुम कितने बरस के हो।
परेवज़:	बु छुस त्रुह वुहुर।	मैं तीस साल का हूं।
डाक्टर:	कथ छुय दोद?	क्या तकलीफ/कष्ट है।
परेवज़:	डाक्टर सॉब मे छु तफ। तुर ति छम बासान। कलस ति छुम दोद। बेयि छुस स्यठा कमज़ोर।	डाक्टर साहिब मुझे बुखार है। ठंड सी लगती है। सिर मे भी र्दद है। और काफी कमज़ोर हो गया हूँ।
डाक्टर:	च़े क्या ख्योथ राथ?	कल क्या खाया?
परेवज़:	रातु प्यठु छुस फाकय।	कल से भूखा हूँ।/कल से कुछ नहीं खाया।
डाक्टर:	तलुसॉ ज़्यव हाव? कॅंह परवाय छुनु। बु दिमु दवा। च़ु गछ़ख जलुद ठीक। यिॅम छि फॅल्य तु यि छे ताक्ती दवा बोतल। अख अख फौल गछ़ि	ज़रा जीभ दिखाओ? कोई चिंता नहीं है। मै दवाई दूंगा। तुम जल्दी ठीक हो जाओगे। यह गोलियां हैं और यह टॉनिक। एक एक गोली दिन मे तीन बार

	द्वहस त्रैयि लटि ख्यौन पॉनिस सुत्य।	पानी के साथ खा लेना।
	यि दवा गछ़ि बतस प्यठ ख्यौन अख चैमचि सुबहन तु अख चैमचि शामन। दवा खैयिव ॲकिस हफतस पतु गछ़ि बैयि युन।	यह दवाई खाना खाने के बाद खानी चाहिए एक चमच सवरे और एक चमच शामको। दवाई एक सप्ताह ले लो फिर दुबारा आ जाना।
परवेज़:	अच्छा डाक्टर सॉब शुक्रिया।	अच्छा डाक्टर साहिब धन्यवाद।
डाक्टर:	च़े क्यासॉ छुय नाव?	तुमहारा नाम क्या है?
मॅरीज़:	मे छु नाव रोज़ी।	मेरा नाम रोज़ी है।
डाक्टर:	कॅच़ वॅरिश छख?	क्या आयु है?
रोज़ी:	शुराह वॅरिश।	सोलाह साल।
डाक्टर:	क्या दॅलील छे ?	क्या बात है?
रोज़ी:	मे छुनु सैहथ ठीख । मे छे चा़स यिवान। ज़ुकाम ति छुम तु हॅटिस ति छुम दोद । ज़ु त्रै द्वह गॅयि ।	मेरी सेहत ठीक नहीं है। मुझे खांसी आती है। ज़ुकाम भी है, और गला भी खराब है। दो तीन दिन हो गए।
डाक्टर:	वंदस मंज़ छे अखसर यि बैमॉर्य आसान। तौह्य खैयिव यि दवा	सर्दियों में आमतोर पर यह बीमारी होती है। आप यह दवाई तीन दिन खाओ।

	त्रेन द्वहन। बॅयि गछ़ि परहेज़ करुन। सरुद तु ज़्वक्य चीज़ गछ़न नु खॅन्य।	और परहेज़ करना। ठंडी और खटी चीज़े नहीं खानी चहिए।
रोज़ी:	शुक्रिया डाक्टर सॉब।	धन्यवाद डाक्टर साहिब।

व्याकरण

इस पाठ मे पुरुषवाचक सर्वनाम (personal pronoun) संप्रदान कारक (dative case) में दिखाया गया है। क्रिया का प्रयोग भविष्यकाल में है और परसर्ग (post positions) का प्रयोग भी है।

पुरुषवाचक सर्वनाम — संप्रदान कारक में

(Personal pronoun in dative case)

	ए०	ब०
IP	मे	असि
IIP	च़े	त्वहि
IIIP	हॊमिस	हुमन
	तॅमिस	तिमन

सहायकक्रिया

IP	छु	छि	छे	छै
IIP sg	छुय	छिय	छय	छय
pl	छुव	छिव	छव	छव
IIIP	छु	छि	छे	छै

मे	असि	तॅमिस	तिमन	छु	अख	कलम।
मेरे	हमारे	उसके	उनके	पास	एक	कलम है।
मे	असि	तॅमिय	तिमन	छि	ज़ु	कलम।
मेरे	हमारे	उसके	उनके	पास	दो	कलम हैं।
मे	असि	तॅमिस	तिमन	छे	अख	किताब।
मेरे	हमारे	उसके	उनके	पास	एक	पुस्तक है।
मे	असि	तॅतिस	तिमन	छै	वारयाह	किताबु।
मेरे	हमारे	उसके	उनके	पास	बहुत सारी	पुस्तकें है।

च़े छुय अख अखबार।	तुमहारे पास एक अखबार है।
च़े छिय वारयाह अखबार।	तुमहारे पास बहुत से अखबार हैं।
च़े छय अख कापी।	तुमहारे पास एक कापी है।

च़े छय वारयाह कापियि।	तुमहारे पास बहुत सी कापियां हैं।
त्वहि छुव दवा फोल।	आपके पास एक दवाई की गोली है।
त्वहि छिव त्रे फॅल्य।	आपके पास तीन दवाई की गोलियां हैं।
त्वहि छव अख दवा बोतल।	आपके पास एक दवाई की बोतल है।
त्वहि छव वारयाह दवा बोतल़।	बाप के पास बहुत दवाई की बोतलें हैं।

संज्ञा को संप्रदान कारक में बदलने के लिए निम्नलिखित परप्रत्यय जोड़े जाते हैं।

	पु०		स्त्र०
अस	अन	इ	अन
इस			

उदाहरन

लॅडक्	+	अस =	लॅडकस	'लड़के को'
गुर	+	इस =	गुरिस	'घोड़े को'

लॅडकु	+	अन	=	लॅडकन		'लड़कों को'
कूर	+	इ	=	कोरि		'लड़की को'
कूर	+	अन	=	कोर्‌यन		'लड़कियों को'

गरस मंज़	'घर में'
गुरिस प्यठ	'घोड़े पर'
कमरस अंदर	'कमरे में'
कोरि निश	'लड़की के पास'
किताबन तल	'किताबों के नीचे'

प्यठु 'से' का प्रयोग

सिरीनॅगर	+	अु	=	सिरीनॅगरु प्यठु	'सिरीन्गर से'
शहर	+	अव	=	शहरव प्यठु	'शहरों से'
कॅशीर	+	इ	=	कॅशीरि प्यठु	'कशमीर से'
जाय	+	अव	=	जायव प्यठु	'जगहों से'

इसी प्रकार शेष परसर्ग (post-position) के अंत मे 'अु' जोडने से इस तरह के वाक्य बनाए जा स्कते हैं।

उदाहरण

मंज़ु तलु अँदरु आदि

वृत्तिवाचक क्रिया (model verb) गछुन 'चाहे' का प्रयोग इस प्रकार किया जाता हैं।

मे गछ़ि अख कलम।	मुझे एक कलम चाहिए।
मे गछ़न ज़ु सूठ।	मुझे दो सूट चाहिए।
च़े गछ़िय चाय।	तुम्हे चाय चाहिए।
त्वहि गछ़िवु बतु।	आपको खाना चाहिए।
कॉम गछ़ि करुन्य।	काम करना चाहिए।

मोसम

सोंथ	'बसंत'	सोंतस मंज़	'बसंत में'
रेतुकोल	'ग्रीष्म'	रेतु कॉलिस मंज़	
वॅहराथ	'बरसात'	वॅहरॉच़ मंज़	
हरुद	'पतझड'	हरदस मंज़	
वंदु	'हेमंत'	वंदस मंज़	
शिशुर	'शीतकाल'	शिशरस मंज़	

खबर अतर

डाक्टर सॉब कति छि?	डाक्टर सॉब छि हस्पतालस मंज़।
क्या दॅलील छे?	मे छु नु सेहथ ठीख।

त्वहि कथ छुवु दोद? मे छु हॅठिस दोद।
त्वहि क्या छुवु नाव? मे छु नाव रोज़ी।
तुहुंज़ वाँस कॉचाह छे? बु छस शुराह वॅरिश।
दवा कति छु? दवा छु अलमारि मंज़।
त्वहि क्या छे खबर? व्वन्य छस ठीख।

अभ्यास

1. ५१ से १०० तक के अंक लिखिये और याद कीजिये? कुछ उदहारण दिये गये हैं।

५१	अकुवंज़ाह	७९	कुनुशीथ
५२	दुवंज़ाह	८०	शीथ
५३	त्रुवंज़ाह	८१	अकुशीथ
५९	कुनुहॉठ	८९	कुनुनमथ
६०	शेठ	९०	नमथ
६१	अकुहॉठ	९९	नमु नमथ
६९	कुनुसतथ	१००	हथ
७०	सतथ		
७१	अकुसतथ		
१०१	अख हथ तु अख		

२००	ज़ु हथ
८००	ऑठ शथ
१०००	सास
१०००००	लछ
१०००००००	करोर

2. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए?

१)	चॆ क्या छुय?	मे छु अख कलम।
	त्वहि क्या छुव?	असि छु अख स्कूटर।
	मे क्या छु?	चॆ छुय अख मेज़।
	तॅमिस क्या छु?	तॅमिस छु कलम।
	तिमन क्या छु?	तिमन छु अख हथ ख़्वपयि।
२)	चॆं क्या छुय करुन?	मे छु श्रान करुन।
	त्वहि क्या छुव ख्योन?	असि छु दवा ख्योन।
	रोज़ी क्या छु करुन?	रोज़ी छु परहेज़ करुन।
	लॅडकन क्या छे वुछिन्य?	लॅडकन छे फिलिम वुछिन्य।
	मे कॅमिस छु प्रारुन?	चॆ छुय डाक्टरस प्रारुन।
	असि कोत छु गछुन?	त्वहि छुव गरु गछुन।

३) चे़ क्या छुय नाव?	मे छु नाव अनवर।
च़ु कॅच़ वुहुर छुख?	बु छुस पंदाह वुहुर।
चॉन्य बॉय कॅच़ वुहुऱ्य छि?	अख छु वुह वुहुर तु बयाख दॅह वुहुर।
चॉन्य मॉज कॅच़ वॅरिश छे?	व छे पंच़ाह वॅरिश।
चानि बेनि कॅच़ वॅरिशि छे?	अख छे दॅह वॅरिश तु ब्याख बह वॅरिश।
४) तोह्य छिवा बेमार?	आ बु छुस बेमार।
त्वहि कथ छुव दोद?	मे छु दंदस दोद।
रोज़ी कथ छु दोद?	तॅमिस छु तफ।
लॅडकस कथ छु दोद?	लॅडकस छु कलस दोद।
कोऱ्यन छा म्यादस दोद?	आ कोऱ्यन छु म्यादस दोद।
५) दवा कति छु?	दवा छु अलमारि मंज़।
इंजकशन कति छि?	इंजकशन छि मेज़स प्यठ।
डाक्टर बाय कति छे?	डाक्टर बाय छे हस्पतालस मंज़।
दवा बोतलु कति छे?	दवा बोतलु छे शलफन प्यठ।

रोज़ी कति छे? रोज़ी छे कमरस अंदर।

मकानु कति छु? मकानु छु सडकि निश।

3. **निम्नलिखित प्रशनों के उत्तर लिखिए?**

(१) त्वहि क्या छुव नाव?

(२) तुहुंज़ वाँस कॉचाह छे?

(३) तोहय कॅच़ वुहुर्य छिव?

(४) तोहय कॅच़ बॉय तु बेनि छिव?

(५) तोहय कथ जायि छिव रोज़ान?

(६) त्वहि कुस मोसम छुव पसंद?

(७) हफपस मंज़ कॅच़ द्वह छि आसान?

(८) यथ किताबि मंज़ कॅच़ सबख छि?

4. **तिम्नलिखित वाकयों का अनुवाद कीजिए?**

(१) वॅर्ययस मंज़ कॅच़ मोसम छि आसान?

(२) त्वहि कुस मोसम छुव पसंद?

(३) सॉरी मोसम छि जान?

(४) सोंतस मंज़ छे पोशि फुलय आसान।

(५) रेतुकॉलिस छे कॉफी गरमी आसान।

(६) हरदस मंज़ छि स्यठाह मेवु आसान।

(७) वंदस मंज़ छु शीन पेवान।

(८) मे छु हरुद स्यठा पसंद।

शब्दार्थ

हस्पताल	'हस्पताल'	हफतु	'सप्ताह'
/शफाखानु		बॆमार	'बीमार'
नाव	'नाम'	बॆमॉर्य	'बीमारी'
कॅच़	'कितने'	तफ	'बुखार'
वाँस	'आयु/उम्र'	तूर	'सरदी'
वुहुर	'साल का'	च़ास	'खांसी'
वुहर्य	'साल के'	चोक	'खट्टा'
वॅरिश	'साल की'	कलु	'सिर'
वॅर्यशि	साल की (ब०)	गरदन	'गरदन'
कथ	'किसको/में	हॊट	'गला'
यथ	'इसको/में	नस	'नाक'
ह्वथ	'उसको/में'	मस	'बाल'
तथ	'उसको/में	अथु	'हाथ'
दोद/दग	'बीमारी/दर्द	बुथ	'चेहरा'
दोद आसुन	'बीमार होना	ऑंगुज	'उन्गली'
जलुद	'जलदी'	ऑंगजि	'उन्गलिया'
सख	'मुशकिल/सखत'	ज़्यव	'जीभ'
फाकु	'ब्रत'	दंद	'दांत'
परवाय	'परवा/चिंता'	म्यादु	'यादा/पेट'
फोल	'दाना/गोली'	नॅर	'बांह'

फॅल्य	'दाने/गोलिया'	नरि	'बांहे'
द्वह	'दिन'	मंज़/अंदर	'में/अंदर'
राथ	'रात'	तल	'नीचे'
सुबुह	'सवेरा'	निश/नॅज़दीक	'नज़दीक'
शाम	'शाम'	प्यठ	'ऊपर'
ज़ंग	'टांग'	प्यठ्‌	'से'
ज़ंगु	'टांगें'	चॆमचि	'चमचा'
यड	'पेट'	बॆयि	'और'
अॅछ	'आँख/आँखे'	पोश	'फूल'
कन	'कान'	ऑस	'मुँह'
शीन	'बर्फ'	वुठ	'होंठ'
रूद	'वर्षा'	जान	'अच्छा'
ऒबुर	'बादल'	खराब	'बुरा'
कुर्सी	'कुर्सी'	कुर्सियि	'कुर्सियां'
अलमॉर्‌य	'अलमारी'	अलमारि	'अलमारियां'
परदु	'परदे'	प्रारुन	'प्रतीक्षा करना'
ॊ॑थ	'महीना'	वॅरी	'साल'

पोशुफुलय	'फूलों का खिलना'
वुज़मलु	'बिजली चमकना'
गगराय	'बिजली का गर्जना'

चिडिया गरु

अॅस्य छि प्रथ आथवारि कुन नतु कुन गछ़ान। राथ ति ऑस आथवार। असि कोर फॉसल चिडिया गरु वुछनुक। मे छे वारयाह जायि वुछमचु, मगर चिडियागरु वुछिथ गोस बु हॉरान। वॅलिव बु वनु त्वहि ज़ि मे क्या क्या वुछ तति। बु वोथुस शेयि बजि नेंदरि। अथु बुथ छॅलिथ गोस बु तयार। मे लॉग्य पलव तु चाय चेथ द्रास बु चिडियागरु वुछनि। म्योन मोल मोज ति ऑस्य मे सुत्य। अॅस्य खॅत्य टेकसी तु वॉत्य चिडियागरु।

ग्वडु गॅयि अॅस्य जानावार वुछनि। मे ऑस्य ब्रोंठ वारयाह जानावार वुछमित्य। मसलन : चॅर, कुकिल, तोतु, बुलबुल, हॉर, काव, कोतुर, वगॉरु। मगर अति वुछ्य मे नॅव्य नॅव्य जानावार। मे रूदुय सिर्फ केंह नाव याद मसलनः मोर, राज़ुहोंज़, तीतर, पोशिनूल।

अमि पतु गॅयि अॅस्य जंगली जानवर वुछनि। मे वुछ्य सुह, हापत, पंज़्य, वांदर, हॅस्य। यिम सॉरी ऑस्य पंजरन मंज़ बंद। हांगर तु रूस्य कचि ऑसु दोरु दोर करान।

अॅस्य ऑस्य व्वन्य थॅक्यमित्य, ल्यहाज़ा फीर्‌य नु अॅस्य सॉर्‌यसुय इहातस। अॅस्य द्रायि नेबर। बेयि खॅत्य

टेकसी तु वॉत्य गरु। मे रोज़ि यि सॉर हमेशु याद।

हम हर रविवार को कई न कई जाते हैं। कल भी रविवार थी। हम ने चिडिया घर जाने का निर्नय किया। मै ने बहुत से स्थान देख रखे हैं। लेकिन चिडिया घर देख कर मै दंग रह गया। आइये मै आपको बताता हूं कि वहां मै ने क्या क्या देखा। मै छे बजे नींद से जागा। हाथ मुंह धोकर मै तयार हो गया। मै ने कपडे पहने और चाय पीकर मै चिडियाधर देखने निकला। मेरे साथ मेरे माता-पिता भी थे। हम टेकसी में बैठे और चिडियाधर पहुंच गए।

सब से पहले हम पंछी देखने गए। मै ने पहले बहुत सारे पंछी देख रखे थे। उदाहरण : चिडिया, कोयल, तोता, बुलबुल, मैना, कवा, कबूतर आदि। लेकिन वहां मै ने नये नये पंछी देखे। मुझे केवल कुछ नाम याद रहे। उदाहरण: मौर, राजहंस, तीतर।

इस के बाद हम जंगली जानवर देखने गये। मै ने शेर, भालू , बंदर, हाथी देखे। यह सब पंजरों मे बंद थे। हांगल और हिरन दोड भाग कर रहे थे।

अब हम थक चुके थे, इसलिए हम सारे इहाते में नहीं घूमे। हम बाहिर निकले। फिर से टेकसी में बैठे और घर को लोटे। मुझे यह सैर सदा याद रहेगी।

व्याकरण

इस पाठ मे क्रिया भुतकाल (past tense) तथा पूरण (perfect) मे दिया गया है। पुरुषवाचक सर्वनाम (personal pronoun) कर्ताकारक (agentive case) में दिखाया गया है।

पु॰		स्त्री॰	
मे	असि	मे	असि
च़े	त्वहि	च़े	त्वहि
हॊम्य	हुमव	हॊमि	हुमव
तॅम्य	तिमव	तमि	तिमव

कर्ताकारक के परप्रत्यय

पु॰		स्त्री॰	
एक॰	*बहु॰*	*एक॰*	*बहु॰*
अन	अव	इ	अव

उदाहरण

लॅडक्	+	अन	=	लॅडकन	'लडके ने'
लॅडक्	+	अव	=	लॅडकव	'लडकों ने'
कूर	+	इ	=	कोरि	'लडकी ने'
कूर	+	अन	=	कोर्‌यन	'लडकियों ने'

(Perfect)

क्रिया को पूर्ण/बनाने के लिये निम्नलिखित परप्रत्यय जोडे जाते हैं।

	पु०		स्त्री०	
	मुत	मुत्य	मुच़	मच़ु

उदाहरण

मे पोर 'मैं ने पढ़ा' मे छु पोरमुत 'मै पढ चुका हूं'

मे पॅर्य 'मैं ने पढ़े' मे छि पॅर्यमुत्य 'मेरे पढे हुए हैं'

मे पॅर 'मैं ने पढ़ी' मे छॆ पॅरमुच़ 'मेरी पढी हुई है'

मे परि 'मैं ने पढ़ीं' मे छॆ परिमच़ु 'मेरी पढी हुई हैं'

अभ्यास

1. निम्नलिखित वाकयों को पढ़िए और क्रिया के भिन भिन रूप समझाए।

(क) भूतकाल (सकर्मक क्रिया transitive verb)

परुन 'पढना'

मे/असि/तॅम्य/तमि/तिमव पोर अखबार।

मै ने हम ने उस ने उसने उनहोंने अखबार पढ़ा।

पॅर्‌य अखबार।
पॅर किताब।
परि किताबु।

चॖ पोरुथ अखबार। ‘तुमने अखबार पढ़ा’
चॖ पॅरिथ अखबार। ‘तुमने अखबार पढ़े’
चॖ पॅरुथ किताब। ‘तुमने किताब पढ़ी’
चॖ पर्‌यथ किताबु। ‘तुमने किताबें पढ़ीं’

त्वहि पोरवु मज़मून। आपने
त्वहि पॅर्‌यवु मज़मून।
त्वहि पॅरवु चिठ्‌य।
त्वहि परिवु चिठि।

वुछुन ‘देखना’

मे / असि / तॅम्य / तमि / तिमव

वुछ ड्रॉमा।
वुछ्‌य ड्रॉमा।
वुछ फिलिम।
वुछि फिलमु।

चॖ वुछुथ ड्रॉमा।
चॖ वुछिथ ड्रॉमा।

चॆ़ वुछिथ फिलिम।
चॆ़ वुछथ फिलमु।

त्वहि वुछव सॅरकुस।
त्वहि वुछिवु नज़ारु।
त्वहि वुछिवु शकुल।
त्वहि वुछिवु शकलु।

इसी प्रकार निम्नलिखित क्रियावों का भूतकाल में प्रयोग करें।

करुन, गिंदुन, बनावुन, बचावुन, हेछुन

(ख) पूर्ण (सकर्मक क्रिया)

परुन

मे / असि / तॅम्य / तिमव	छु / ओस / आसि / पोरमुत			
	है	था	होगा	पढ़ चुका
	छि	ऑस्य	आसन	पॅर्यमुत्य
	छे	ऑस	आसि	पॅरमुच़
	छे	आसु	आसन	परिमचु

चॆ़	छुथ / ओसुथ / आस्यथ	पोरमुत
	छिथ / ऑसिथ / आसनथ	पॅर्यमुत्य

	छथ / ऑसुथ / आस्यथ			पॅरमच़
	छथ / आसथ / आसनथ			परिमच़ु
त्वहि	छुव	ओसवु	आसिवु	पोरमुत
	छिव	ऑस्यवु	आसनव	पॅर्यमुत्य
	छव	ऑसवु	आसिवु	पॅरमुच़
	छवु	आसवु	आसनव	परिमच़ु

वुछुन

मे / असि / तॅम्य / तमि / तिमव

छु / ओस / आसि वुछमुत

है था होगा देख चुका

छि / ऑस्य / आसन / वुछ्यमित्य

छे / ऑस / आसि / वुछमुच़

छे / आसु / आसन / वुछमच़ु

च़े	छुथ / ओसुथ / आस्यथ	वुछमुत
	छिथ / ऑसिथ / आसनथ	वुछमित्य
	छथ / ऑसुथ / आस्यथ	वुछमुच़
	छथ / आसथ / आसनथ	वुछमच़ु

त्वहि	छुव	ओसवु	आसिवु	वुछमुत
	छिव	ऑस्यवु	आसनव	वुछ्यमुत्य
	छव	ऑसवु	आसिवु	वुछमुच़
	छवु	ऑसवु	आसनव	वुछमच़ु

निम्नलिखित क्रियावों को भूतकाल पूर्ण में प्रयोग करें?

करुन गिंदुन बनावुन बचावुन वनुन

(ग) भूतकाल पूर्ण (अकर्मक - intransitive)

गछ़ुन	'जाना'
बु गोस चिडियागरु	'मै चिडियाघर गया'
अॅस्य गॅयि	हम गए
बु गॅयस	मै गई
अॅस्य गॅयि	हम गए
च़ु गोख	तुम गए
तोह्य गॅयवु	आप गए
च़ु गॅयख	तुम गई
तोह्य गॅयवु	आप गई
सु गव	वह गया
तिम गॅयि	वे गई
स्व गॅयि	वह गई

तिमु गॅयि	वे गईं
युन	'आना'
बु आस	मैं आया
ॲस्य आयि	हम आए
बु आयस	मैं आई
ॲस्य आयि	हम आए
च़ु आख	तुम आए
तॊह्य आयिवु	आप आए
च़ु आयख	तुम आई
तॊह्य आयिवु	आप आईं
सु आव	वह आया
तिम आयि	वे आए
स्व आयि	वह आई
तिमु आयि	वे आईं
नेरुन	'निकलना'
बु द्रास	मैं निकला
ॲस्य द्रायि	हम निकले
बु द्रायस	हम निकले
ॲस्य द्रायि	हम निकले

च़ु द्राख	तुम निकले
तोह्य द्रायिवु	आप निकले
च़ु द्रायख	तुम निकली
तोह्य द्रायिवु	आप निकले
सु द्राव	वह निकले
तिम द्रायि	वे निकले
स्व द्रायि	वह निकले
तिमु द्रायि	वे निकले

निम्नलिखित क्रियावो का भूतकाल मे प्रयोग करें?

युन, वातुन, बिहुन, व्वथुन, खसुन, वसुन

(च) पूर्ण अकर्मक

बु	छुस	ओसुस	आसु	गोमुत	आमुत	द्रामुत
अ़स्य	छि	ऑस्य	आसव	गॉमुत्य	आमुत्य	द्रामुत्य
बु	छस	ऑसुस	आसु	गॉमुच़	आमुच़	द्रामुच़
अ़स्य	छे	आसु	आसव	गॉमच़ु	आमच़ु	द्रामुच़ु
च़ु	छुख	ओसुख	आसख	गोमुत	आमुत	द्रामुत
तोह्य	छिव	ऑसिवु	ऑसिव	गॉमुत्य	आमत्य	द्रामत्य
च़ु	छख	ऑसुख	आसख	गॉमुच़	आमुच़	द्रामुच़
तोह्य	छव	आसुवु	ऑसिव	गॉमच़ु	आमच़ु	द्रामुच़

सु	छु	ओस	आसि	गोमुत	आमुत	द्रामुत
तिम	छि	ऑस्य	आसन	गॉमुत्य	आमुत्य	द्रामुत्य
स्व	छे	ऑस	आसि	गोमुत	आमुत	द्रामुत

1. निम्नलिखित क्रियावों के भिन्न भिन्न रूप लिखें?

व्वथुन, बिहुन, पकुन, दोरुन, खसुन

(छ) प्रश्न उत्तर पढ़िये और समझाए?

च़ु कोत गोख?	बु गोस गरु।
तोह्य कोत गॅयवु?	ऑस्य गॅयि कॅशीरि।
सु कर आव?	सु आव राथ।
तिम कर द्रारि?	तिम द्रायि सुबहन।
कोरि कोत वाच़ु?	कोरि वाच़ु सिरीनगर।
च़े क्या पोरुथ?	मे पोर अखबार।
त्वहि क्या वुछवु?	असि वुछ चिडियागर।
लॅडकन क्या कोर?	लॅडकन कोर सॉर।
कोरि क्या वुछ?	कोरि वुछ ड्रॉमा।
लॅडकन क्या ह्योछ?	लॅडकन ह्योछ कॉशुर।
ज़नानव कथ ग्युंद?	ज़नानव ग्युंद बालि।
कॅच़ बजेयि?	च़ोर बजेयि।
च़ु कॅचि़ बजि वोथुख	बु वोथुस सति बजि।

त्वहि छव बनॉवमुच़ चाय।

सारन छे अ़न्यमुच़ सबज़ी।

कोर्‍यव छु रौनमुत बतु।

3. निम्नलिखित अनुछद (paragraph) का अनुवाद कीजिए?

बु छुस द्वहय सुबहन सॉरस गछ़ान। राथ ऑस आथवार। बु वोथुस सुबहन सुलि नेंदरि। अथुबुथ छॉलिथ गोस बु तयार। मे लॉग्य पलव तु गोस परवेज़स निश। अ़स्य द्रायि यिकुवटु सॉरस। अ़स्य गॅयि अ़किस बागस मंज़। अति ऑस्य वारयाह लुख। वारयाह कोरि तु लॅडकु ऑस्य दोरान। अ़स्य ति दोरेयि। ऑठ बजेयि। अ़स्य ऑस्य थॅक्यमित्य। अ़स्य आयि वापस गरु। असि कोर श्रान तु चेयि चाय।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये?

(१) तोह्य कॅचि़ बजि छिव नेंदरि व्वथान?

(२) अज़ कॅचि़म तॉरीख छु?

(३) त्वहि छुवा चिडियागरु वुछमुत?

(४) तोह्य छिवा कॅशीरि गॉमुत्य?

(५) आथवारि द्‌वह क्या छिव तोह्य करान?

नेंदरि?

व्वन्य कॅच़ बजेयि? व्वन्य बजेयि साड़ सथ।

अज़ कॅच़िम तॉरीख छु? अज़ छु शेयिम तॉरीख।

राथ कॅच़िम तॉरीख ओस? राथ ओस पाँच़िम तॉरीख।

2. निम्नलिखित वाक्यों को माडल के अनुसार बदलये?

बु छुस गोमुत चिडिया गरु।

(i) बु ओसुस गोमुत चिडियागरु।

(ii) बु आसु गोमुत चिडियागरु।

अॅस्य छि गॉमुत्य कॅशीरि।

च़ु छुख गोमुत गरु।

तोह्य छिव द्रामुत्य नेबर।

तिम छि वॉत्यमित्य दिलि।

स्व छ आमुच़ वापस।

मे छे पॅरमुच़ किताब।

(i) मे ऑस पॅरमुच़ किताब।

(ii) मे आसि पॅरमुच़ किताब।

असि छु वुछमुत ड्रॉमा।

च़े छुथ ह्योछमुत कॉशुर।

पोंज़	पँज़य	पँज़, पंज़ु	'बंदर'
होस	हॅस्य	हॅसतिन्य, हॅसतिनि	'हाथी'
हून	हून्य	हून्य, होनि	'कुत्ता'
गुर	गुर्य	गुर, गुरि	'घौडा'
क्वकुर	क्वकर	क्वकुर, क्वकरि	'मुर्गा'

❋ ❋ ❋

शब्दार्थ

कुन नतु कुन	'कहीं न कहीं'	कुकिल	'कोयल'
फॉसल् करुन	'फ़ैसला करना'	कुकिल्	'कोयलें'
जाय	'जगह'	तोतु	'तोता'
हॉरान गछुन	'दंग रहना'	बुलबुल	'बुलबुल'
बंद आसुन	'बंद होना'	हॉर	'मैना'
थकुन	'थकना'	हारि	'मैना'(ब०)
फेरुन	'याद आना'	काव	'कवा'
सॉर	'सैर'	वांदुर	'बंदर'
याद रोज़न	'याद रहना'	राज़ुहोंज़	'राजहंस'
बनावुन	'बनाना'	सुॅह	'शेर'
नेंदुर	'नींद'	चॅर	'चिडिया'
नेंदरि व्वथुन	'नींद से जागना'	च़रि	(ब०)
पलव लागुन्य	'कपडे पहनना'	बचावुन	'बचाना'
सूत्य	'साथ'	वनुन	'कहना'

जानावार	'पक्षी'	जानवर	'जानवर,पशु'
कोतुर	कोतर	कोतुर,कोतरि	'कबूतर'
हापुत	हापत	हापुच़, हापच़ु	'रीच'

	किन्य डलजील। ह्व छे नॅहरू पॉर्क। दॅछिन्य किन्य छु शंकर आचार्य।	है। वह नहरू पार्क है। दाएं शंकर आचार्य है।
	हु छु चेश्म शॉही।	वह चश्मा शाही है।
	अमि पतु यियि निशात।	इस के बाद निशात आएगा।
रॅमी:	दपान चेश्मु शॉही हुंद पोन्य छु स्यठा जान।	कहते हैं कि चश्मा शाही का पानी बहुत अच्छा है।
रियाज़:	आ बड़ु साफ, ठंड़ तु हॉज़िम। व्वलु निशातुक स्टाप आव। पख वसव़। ठॅहर सॉ हे।	हां, बडा साफ, ठंडा और हाज़िम। आव निशात बाग का स्टाप आ गया। चलो उतरते हैं। बस रोकिए?
रॅमी:	वाह, कोताह बोड बाग छु।	वाह कितना बडा बाग़ है।
	क्या सर सबज़ गासु छु।	क्या हरी भरी घास है।
	यथ मंज़ कम कम कुल्य छि?	इस मे कौन कौन से पेड है।
रियाज़:	पख सॉ बु हावय चे सोरुय। पख बारादॅरी प्यठ। यथ बागस छि वारयाह हिसु। यि ल्वकुट क्वल छे बागस मंज़बाग वसान।	चलो मै आपको सारा बाग दिखा लावों। चलो बारादरी पर। इस बाग के कई भाग है। यह छोटी नदी बाग के बीच में बहती है।
	वुछ अथ मंज़ कॉत्याह	देखो इस मे कितने सारे फंवारे

निशात बागुक सॉर

रियाज़:	रॅमी पख जल जल? बस छे तयार।	रमी चलो जलदी जलदी। बस तयार है।
रॅमी:	पकान छुस, अन च़ु टिकट।	चल रहा हूँ। तुम टिकट ले आवो।
रियाज़:	मे छुनु फुटवोट, चे छुया?	मेरे पास खुले पैसे नही है। तुम्हारे पास है क्या?
रॅमी:	आ, रठ पाँछ़ र्‌वपयि।	हां ले लो पाँच रूपये।
रियाज़:	च़ु रठ सीट, बु अनु टिकट। निशात ताम कॅच़ सॉ पाँसु छि लगान?	तुम सीट ले लो, मै टिकट लाता हूं। निशात तक का किराया कितना है।
कंडक्टर:	ज़ु र्‌वपयि।	दो रुपये।
रियाज़:	मे दियिव ज़ु टिकट्।	मुझे दो टिकटें दे दीजिए।
कंडक्टर:	रठ सॉ टिकट् तु यिम रठ बाकय पाँसु।	यह लो टिकटें और यह रहे बाकी पैसे।
रियाज़:	कॅचि़ बजि नीरिव?	कितने बजे निकलेंगे।
कंडक्टर:	बस पॅकिव द्रायि।	बस चलो चलते हैं।
रॅमी:	रियाज़ा व्वलु बेह। वाह क्या नज़ारु छु यपॉर्‌य।	रियाज़ आव बैठो। वाह क्या द्रिश्य है इस ओर।
रियाज़:	आ, यि छु खोवुर्‌य	हाँ, यह बायी और डल झील

	ल्योदुर गुलॉब्य तु न्यूल।	गुलाबी और नीला। बाग मे
	बागस मंज़ छि वारयॉह	बहुत माली काम करते हैं
	बागवान कॉम करान।	आओ हम सारे बाग की सैर
	व्वलु अॅस्य करव	करें।
	सॉर्‍यसुय बागस सॉर।	
रॅमी:	आ, पख जल जल नतु	हां, चलो जल्दी जल्दी नही
	गछ़ि च़ेर।	देर हो जाए गी।

व्याकरण

इस पाठ मे संबंधवाचक (Gentitive case) और विशेषन (adjective) का प्रयोग है। कश्मीरी संबधवाचक बनाने के लिये निम्नलिखित परप्रत्यय जोड़ेजाते हैं।

(प) व्यक्तिवाचक संज्ञा (proper noun) के साथ:

उन	अुन्य	अुन्य	अुनि
रामुन	बोय	'राम का भाई'	
रामुन्य	बॉय	'राम के भाई'	
रामुन्य	बॅनि	'राम की बहन'	
रामुनि	बॅनि	'राम की बहनें'	

	फंवारु तु पां चादरु छे।	और आबशार हैं।
	ह्वपॉर्य छि मेवु कुल्य	उस तर्फ फल के पेड़ हैं,
	तु यपॉर्य पोशि कुल्य।	और इस तर्फ फूलों के पौदे।
	निशातस पॅत्यकिन्य छु	निशात के पिछले तर्फ पहाडी
	बाल तु ब्रोंठु कनि	है और सामने डल झील।
	डल जील।	
रॅमी:	यथ बागस मंज़ छा	क्या इस बगीचे मे सेब,
	चूठ्यं, डून्य तु बादाम	अखरोट और बादाम के पेड
	कुल्य ति?	भी हैं।
रियाज़:	नॅ सॉरी मेवु कुल्य छिनु।	नही सारे फलों के पेड नही
	हुम छि गिलासु कुल्य।	हैं। वह चेरी के पेड़ हैं। यह
	यि थोद कुल छु यारि	ऊंचा पेड़ चीड का है। ये
	कुल। यिम छि सरव तु	सर्व है और वह चिनार।
	हुम छे बोनि।	
रॅमी:	यिम कम पोश छि?	ये कौन से फूल हैं?
रियाज़:	यिम छि येंबुरज़्वल पोश,	ये नरगिस के फूल हैं।
	यिमन छु बडु जान	इन की सुगंध बहुत अच्छी
	मुशुक। वुछ चु।	है। तुम देखो।
रॅमी:	आ, यि छु स्यठाह ख्वश	हां, यह बहुत मन भावक
	यिवुन। गुलाबन हुन्द्य ति	है। गुलाबों की भी काफी
	छि वारयाह कुसुम।	किस्में हैं।
रियाज़:	यथ चमनस मंज़ छे चोर	इस चमन मे चार गुलाबों
	गुलाब ज़ॉच। व्वजुल,	की किसमें हैं। लाल, पीला,

जुडते हैं।

हुंद हुंद्य हुंज़ हुंज़ु	
कूर + इ =	कोरि
कोरि हुंद बाग	'लड़की का बाग'
कोरि हुंद्य बाग	'लड़की के बाग'
कोरि हुंज़वॆस	'लड़की की सहेली'
कोरि हुंज़ु वॆसु	'लड़की की सहेलियाँ'
कूर + अन =	कोर्यन
कोर्यन हुंद मोल	'लडकियों का पिता'
कोर्यन हुंद्य मॉल्य	'लडकियों के पिता'
कोर्यन हुंज़ मॉज	'लडकियों की माँ'
कोर्यन हुंज़ु माजि	'लडकियों की माँए'
लॅडकु + अन =	लॅडकन
लॅडकन हुंद बोय	'लडकों का भाई'
लॅडकन हुंद्य बॉय	'लड़कों के भाई'
लॅडकन हुंज़ बॆनि	'लड़कों की बहन'
लॅडकन हुंज़ु बॆनि	'लड़कों की बहनें'

(फ) उचेतम संज्ञा (पु.ए) (inanimate noun) :

उक	अुक्य	अुच अुचि
बागुक	पोश	'बाग का फूल'
बागुक्य	पोश	'बाग के फूल'
बागुच	सबज़ी	'बाग की सब्ज़ी'
बागुचि	सबज़ियि	'बाग की सब्ज़ियां'

(ब) जातिवाचक संज्ञा (common noun) और उचेतम संज्ञा:

सुन्द	सुन्द्य	सुन्ज़	सुन्ज़ु
लॅडकु	सुंद	कलम	'लडके का कलम'
लॅडकु	संदुय	कलम	'लडके के कलम'
लॅडकु	संज़	किताब	'लडके की पुस्तक'
लॅडकु	संज़ु	किताबु	'लडके की पुस्तकें'

स्वनु सुंद	कोर	'सोने का कढ़ा'
स्वनु सुंद्य	कॅर्य	'सोने के कढ़े'
स्वनु सुंज़	वॉज	'सोने की उंगूठी'
स्वनु सुंज़	वाजि	'सोने की उंगूठियां'

(म) शेष स्थनों पर यानी: जातिवाचक संज्ञा (ब॰) (M.Pl, F.sg & Pl) और शेष उचेतम संज्ञा के साथ निम्नलिखित परप्रत्यय

'काला'	क्रुहुन	क्रहुन्य	क्रहन्य	क्रहुनि
'ऊंचा'	थोद	थॅद्य	थॅज़	थज़ु
'बूडा'	बोड	बॅड्य	बॅड	बजि
'छोटा'	ल्वकुट	ल्वकुट्य	ल्वकुट	ल्वकचि

उदाहरण

बु छुस व्वजुल रंग पंसद करान।
'मैं लाल रंग पसंद करता हूं'

बु छुस व्वज़ुल्य ग्वलाब हेवान।
'मैं लाल गुलॉब खरीद रहा हूं'

यि छे म्यॉन्य व्वज़ुज कॅमीज़।
'यह मेरी लाल कमीज़ है'

यिमु छे चानि व्वज़ुजि कॅमीज़ु।
'यह तुमहारी लाल कमीज़ें हैं'

ख) 'सफेद' सफेद -> यि छु सफेद कोठ
'हरा' सबज़ -> यिम छि सफेद पलव
'गुलाबी' गुलॉब्य -> यि छे सफेद कॅमीज़
'अच्छा' जान -> यिमु छे सफेद कॅमीज़ु
'चालाक' चालाख ->

बस + इ	=	बसि	
बसि हुंद ड्रॉवर		'बस का ड्राईवर'	
बसि हुंद्य ड्रॉवर		'बस के ड्राईवर'	
बसि हुंज़ किरायु		'बस का किराया'	
बसि हुंज़ु सीट्ट		'बस की सीटें'	

बस + अन	=	बसन	
बसन हुंद अड्ड		'बसों का अड्डा'	
बसन हुंद्य	मॉलिख	'बसों के मालिक'	
बसन हुंज़	सडख	'बसों की सड़क'	
बसन हुंज़ु	सवारि	'बसों की सवारियाँ'	

बाग + अन	=	बागन
बागन हुंद बागवान		'बागों का माली'
बागन हुंद्य बागवान		'बागों के माली'
बागन हुंज़ सबज़ी		'बागों की सबज़ी'
बागन हुंज़ु सबज़ियि		'बागों की सबज़ियाँ'

विशेषन

क)	'लाल'	व्वज़ुल	व्वज़ुल्य	व्वज़ुज	व्वज़जि
	'नीला'	न्यूल	नील्य	नीज	नीजि

(५) र्‌वपयि मंज़ कॅच़ पाँसु छि?
(६) त्वहि छा ज़्यूंठ्य बाग?
(७) तुहुंदिस बागस मंज़ कम कम पोशि छि?
(८) तोह्य कपॉर्‌य छिव ऽपकान?
(९) तोह्य छिवा पोश चटान?
(१०) त्वहि कुस पोश छु ज़्यादु पसंद?

शब्दार्थ

सॉर	'सैर'	ताम	'तक'
जल जल	'जलदी'	बाकुय	'शेष'
टिकट अनुन्य	'टिकट लाना'		
त्रेश	'पीने का पानी'		
पोन्य / आब	'पानी'	फुटुवोट	'रेज़गारी'
पाँसु	'पैसा'	व्वलु	'आजा'
र्‌वपय	'रुपया'	चे़र गछ़ुन	'देर होना'
खोवुर	'बायाँ'	चक्र करुन	'सैर करना'
दॅछ़ुन	'दायाँ'	च़टुन	'तोड़ना'
पथ	'पीछे'	नेरुन	'निकलना'
ब्रोंठ	'आगे'		

अभ्यास

1. **निम्नलिखित वाक्यों का अनुवाद कीजिए?**

(१) राथ गोस बु निशात बाग।

(२) बु गोस यारस सुत्य।

(३) असि ओस नु फुटुवोट।

(४) डलजीलुक नज़ारु छु स्यठा खूबसूरत।

(५) चेश्मु शॉही हुंद पोन्य छु स्यठा हॉज़िम।

(६) यारि कुल्युक पन छु सर सबुज़ आसान।

(७) बोनि शिहुल छु स्यठा जान।

(८) मे छि तेज़ रंग पंसद।

(९) अॅस्य करव कॅशीरि हुंद सॉर।

(१०) सॉरुय कॅशीर छे खूबसूरथ।

2. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए?**

(१) तोह्य छिवा कॅशीरि गॉमुत्य?

(२) त्वहि क्वसु जाय छे ज़्यादु पंसद?

(३) त्वहि कुस रंग छु पसंद?

(४) सिरीनॅगरु प्यठु निशात ताम कॉचाह किरायि छे?

मेवु	'फल'	ज़ात	'जात'
कुल	'पेड़'	ज़ॉच़	'जातियां'
कुल्य	'पेड़' (ब॰)	गासु	'घास'
फ्रेस	'सफेदा'	गिलासु	'चेरी'
बून्य	'चिनार'	टंग	'नाशपाती'
बोनि	'चिनार' (ब॰)	ऑर	'आलूबुखार'
बादाम	'बादाम'	सोरुय	'सारा'
च़ूंठ	'सेब'	सॉरिय	'सारे'
च़ूंठ्य	'सेब' (ब॰)	चे़र	खोबानी
चे़रु	खोबानि (ब॰)		

✲ ✲ ✲

ख्वश यिवुन	'दिल लुबोन वाला'
खोवुर्य किन्य	'बायीं और'
दॅछिन्य किन्य	'दायीं और'
पसंद करुन	'पसंद करना'
ह्वपॉर्य	'उस तरफ'
मंज़ बाग	'बीचों बीच'
तपॉर्य	'उस तरफ'

पन	'पते'	बागवान	'माली'
पॅत्य किन्य	'पीछे'	शिहुल	'छाया'
ब्रूठ्य किन्स	'आगे'	यपॉर्य	'इस तरफ'
क्वल	'नदी'	कपॉर्य	'किस तरफ'
रंग	'रंग'	च़्वपॉर्य	'चारों तरफ'
व्वज़ुल	'लाल'	पांच़ादर	'आबशार'
न्यूल	'नीला'	दाना	'अकलमंद'
ल्योदुर	'पीला'	हॉज़िम	'हाज़िम'
क्रहुन	'काला'	पोश	'फूल'
सफेद	'सफेद'	येम्बुरज़्वल	'नरगिस'
गुलॉब्य	'गुलाबी'	जाफुर	'गेंदा'
सबुज़	'हरा'	मुशुक	'सुगंध'

	त्वहि पज़िवु ब्रोहंय पनुन्य सीट बुक कॅरुन्य।	ही अपनी सीट बुक करनी चाहए।
रॅमी:	अॅस्य हेकवा शाम ताम पनुन गरु वापस यिथ?	क्या हम शाम तक घर वापिस आ सकते हैं ?
ट.अ.:	आ ज़रूर। तोह्य वॉतिव सथ बजे ताम वापस सिरीनगर।	हाँ ज़रूर। आप साथ बजे तक वापिस श्रीनगर पहुंचे गे।
	रॅटिव यि छे सयाहन हुंदि खॉतरु अख किताब। अथ मंज़ छु कॅशीरि हुंद नकशु तु बाकुय सॉरुय ज़ानकॉरी।	लीजिए यह पर्यटकों के लिये एक किताब है। इस में कशमीर का नकशा और तमाम जानकारी है।
रॅमी:	पगाह खॉतरु मेलना टिकटु?	क्या कल के लिए टिकटें मिलेंगी?
ट.अ:	ति कॅरिव बुकिंग कलॉरकस निश पताह।	वह आप बुकिंग कलार्क से पूछिए।
रॅमी:	अच्छा जिनाब शुकरिया।	अच्छा जिनाब धन्यवाद।
ट.अ:	शुकरिया कमि खॉतरु।	धन्यवाद किस लिए।
	यि छे म्यॉन्य डिॅवटी।	यह मेरी डिवटी है।
	अच्छा आदाब।	अच्छा आदाब।

बुकिंग कंवटरस प्यठ

रॅमी:	पॅहलगाम खॉतरु छे हज़ कांह सीट पगाह?	पहलगाम के लिए कल कोई सीट है क्या?

टूरिस्ट सेंटरस प्यठ

अशोक:	रॅमी पगाह छे आथवार,	रमी कल रविवार है।
	ॲस्य गछ़व पॅहलगाम।	हम पहलगाम जाएंगे।
	चु़ गछ़ टूरिस्ट सेंटर।	तुम टूरिस्ट संटर जाओ।
	तति कर बसि हुंद पताह।	वहाँ बस का पताह करो।
रॅमी:	अच्छा महारा बु गछ़ु वुन्य।	अच्छा जी मै अभी जाता हूं।

टूरिस्ट सेंटरस प्यठ

रॅमी :	आदाब अरुज़।	आदाब।
	मे जिनाब छु अरुज़।	एक विन्ती है।
टूरिस्ट : आफसर	आदाब अरुज़।	आदाब।
	कॅरिव हुकुम।	हुकुम कीजिए।
रॅमी:	ॲस्य जिनाब छि यछ़ान पॅहलगाम गछ़ुन।	जी हम पहलगाम जाना चाहते हैं।
	बस कॅचि़ बजि छे नेरान?	बस कितने बजे जाती है?
ट.अ.: काफी	पॅहलगाम खॉतरु छे येति प्यठु वार्याह बसु नेरान।	पहलगाम के लिये यहाँ से बसें जाती हैं।
	सारेय बसु छे सुबहन नव बजे नेरान। मगर अज़ कल छु स्याठाह रश।	सभी बसें सवेरे नव बजे निकलती हैं। लेकिन आजकल बहुत भीड़ है। आपको पहले

मे / असि / तॅमिस / तिमन	पज़न अखबार परुन्य।
चे़	पज़िय मज़मून लेखुन।
चे़	पज़नय मज़मून लेखुन्य।
त्वहि	पज़िव सवाल प्रछुन
त्वहि	पज़नव सवाल प्रछुन्य।

निजिवाचक सर्वनाम (reflexive pronoun)

पनुन पनुन्य पनुन्य पनुनि

मे पज़ि पनुन पतलोन छलुन।
'मुझे अपनी पतलून धोनी चाहिये।'

मे पज़न पनुन्य पतलोन छलुन्य।
'मुझे अपने पतलून धोने चाहिये।'

मे पज़ि पनुन्य कॅमीज़ छलुन्य।
'मुझे अपनी कमीज़ धोनी चाहिये।'

मे पज़न पनुनि कॅमीज़ु छलनि।
'मुझे अपनी कमीज़ धोनी चाहिये।'

पानय 'खुदही/स्वयम, अपने आप'

मे पज़ि पानय गछ़ुन।	मुझे स्वयम जाना चाहिए।
चे़ पज़िय पानय पकुन।	तुम्हे स्वयम जाना चाहिए।

बुकिंग कलॉरख :	कॅच़ सीट्?	कितनी सीटें?
रॅमी:	च़ोर।	चार।
बुकिंग कलॉरख :	आ, दियिव ज़ु हथ रुपयि।	हाँ, दीजिये दो सौ रुपए।
रॅमी:	रॅटिव	लीजिये।
कलॉरख :	रॅटिव च़ोर टिकट्।	लीजिये चार टिकटें।

व्याकरण

इस पाठ में वृत्तिवाचक (modal) क्रिया, पज़ुन 'चाहिये' यछ़ुन 'चाहना' और ह्यकुन 'स्कना' के अतिरिक्त निजिवाचक सर्वनाम (reflexive pronoun) पनुन 'अपना' का प्रयोग किया गया है।

उदाहरण

	(ए)	(ब)
IP	पज़ि	पज़न
IIP	पज़िय	पज़नय
IIP (pl)	पज़िवु	पज़नव

मे / असि / तॅमिस / तिमन पज़ि अखबार परुन।

यॊछ़ ड्रॉमा वुछुन।
यॆछ़्य चून्ठ्य खॆन्य।
यॆछ़ फिलिम वुछिन।
यछ़ु नावलु परनि।

च़े — यॊछ़ुथ बसि खसुन।
यॆछ़िथ नकशु वुछिन्य।
यॆछ़ुथ फिलिम वुछिन्य।
यॆछ़थ फिलिमु वुछिनि।

त्वहि — यॊछ़वु सॉर करुन।
यॆछ़्यवु बाग वुछिन्य।
यॆछ़वु चाय चॆन्य।
यछ़वु श्सकलु वुछिनि।

(ग) ह्यकुन 'स्कना'

बु छुस ह्यकान यि किताब पॅरिथ।
च़ु छुख ह्यकान पनुन कमरु साफ कॅरिथ।
सु छु ह्यकान कॉशुर बूलिथ।
लॅडकु छि ह्यकान ओरदू लीखिथ।
मे / असि / तॅम्य / तमि / तिमव

त्वहि पज़िवु पानय कॉम करुन्य।	आपको स्वयम काम करना चाहिए।

अभ्यास

1. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए और क्रिया के विभिन्न रूपों को समझाए?

(क) पज़ुन 'चाहिए'

मे / असि / तॅमिस / तिमन

पज़ि पनुन गरु गछुन।

पज़न पनुन्य गरु साफ थवुन्य।

चे़ पज़िय पनुन स्कूल गछुन।

पज़नय पनुनि टिकट् हावनि।

त्वहि पज़िवु पनुन यार समजावुन।

पज़नव पनुन्य पलव छलुन्य।

(ख) यछुन 'चाहना'

बु छुस यछान पॅहलगाम गछुन।

अॅस्य छि यछान सॉर करुन।

रॅमी छु यछान गुरिस खसुन।

मे / असि / तॅम्य / तमि / तिमव

वुछिथ।	हो।
सु ह्यॅकि सवाल प्रुछ़िथ।	वह सवाल पूछ स्कता है।
तिम ह्यॅकन जवाब दिथ।	वे जवाब देस्कते हैं।

2. निम्नलिखित वाक्यों का अनुवाद कीजिए।

(१) मे पज़ि सुलि व्वथुन तु सॉर करुन।

(२) असि पज़न पनुन्य गरु साफ थावुन्य।

(३) च़ु क्या छुख ़यछ़ान बनुन?

(४) तोह्य छिवा हेकान कॉशुर ठीख पॉठ्य बूलिथ?

(५) कॉशुर हेछनु खॉतरु क्या पज़ि त्वहि करुन?

3. निम्नलिखित शब्दों और पदबंधो क़ा अपने वाक्यों मे प्रयोग करें?

व्वन्य, वुनि, पताह करुन, प्रुछ़ुन, बुक करुन, ज़ानकॉरी।

शब्दार्थ

पताह करुन 'पताह लगाना'

ब्रोंह/ब्रोंठ 'आगे, पहले'

वुन्य 'अभी' ब्रोंहय/ब्रोंठ्य पहले से ही

हयोक बालि गिंदिथ।
हयेक्य अखबार पॅरिथ।
हयेच कॉम कॅरिथ।
हयेचि ज़्वचि बनॉविथ।

चे़

हयोकुथ कॉशुर बूलिथ।
हयेकिथ चो़र ज़ूंठ्य खेथ।
हयेचिथ टिकठ ॲनिथ।
हयेचथ टिकट्ट ॲनिथ।

त्वहि

हयोकवु पहाडस खॅसिथ।
हयेकवु सॉरी मेवु खेथ ।
हयेचवु कार चलॉविथ ।
हयेचवु कामि कॅरिथ ।

बु हयकु दिलि गॅछ़िथ। — मैं दिल्ली जास्कों गा।
ॲस्य हयकव किरकट गिंदिथ। — हम किरकट खेल स्कें गे।
च़ु हयकख टूरिस्ट सेंटर गॅछ़िथ। — तुम टूरिस्ट सेंटर जा स्कते हो।
तोह्य हयेकिव नकशु — आप नकशा देख स्कते

बाज़रस मंज़

शयनी: तोह्य गॅछ़्यवा अज़ बाज़र?

रॅमी: क्या करनि?

शयनी: तोह्य ॲन्यतव अख जान पहान शाला?

रॅमी: कथ क्युथ?

शयनी: म्यॉनिस दोस्तस क्युथ। तस छु खांदर। मे छु तस तोफ़ु द्युन।

रॅमी : नॅ म्यानि दॅस्य/यियिनु यि कॉम करनु।

शयनी: क्याज़ि?

रॅमी : तिक्याज़ि मे छे नु शालन हुंज़ पूरु वॉकफियथ। च़ु वन परवेज़स। सु यियि च़े सुत्य बाज़र।

शयनी: आ ति छु ठीख। बु करु तिमन फोन।

शयनी: हेलो, परवेज़ सॉब छा सॉ?

नोकर: आ, तोह्य कम छिव बोलान?

शयनी: बु छुस शयनी।

नोकर: ठहरिव बु करु तिमन आलव।

परवेज़: आदाब अरुज़ शयनी जी। वॅनिव वारय छिवु?

शयनी: अहन हज़ वारय, तोह्य छिवा वारय?

यछुन	'चाहना'	स्याह/सॉलॉन्य	परिटक
पज़ुन	'चाहिये'	ज़ानकॉरी	जानकारी
हेकुन	'कर स्कना'	सोरुय	सारा
कॅच़	'कितने'	सॉरिय	सारे
सॉरुय	'सारी'	सारेय	सारीं

कॅच़ बजेयि 'समय क्या हुआ'

✵✵✵

स्रोग।

शालुवोल: अच्छा कुस कुसुम गछ़ि? रफल, पशमीनु किनु शाहतूस?

शयनी: यिमन मंज़ क्या फरख छे?

शालुवोल: रफल छु कम कॉमतुक। पशमीनु छु अमि खोतु द्रोग तु जान तु शाहतूस छु सारिवुय खोतु जान तु कॉमती।

शयनी: परवेज़ सॉब तोह्य दियिव मशवरु?

परवेज़: मे छु बासान पशमीनु शाल रोज़ि ठीख।

शालुवोल: यिम छि पशमीनु शाल। यथ शालस छे जान अथु कॉम।

परवेज़: आ यि छु जान शाल। शयनी जी त्वहि छा यि रंग पसंद।

शयनी: आ बिलकुल तुहुंज़ पसंद छे म्यॉन्य पसंद।

परवेज़: अथ क्या हज़ छु कॉमथ?

शालुवोल: दॅह सास।

परवेज़: नॅ, ति गव ज़्यादु। कॆंछ़ाह कॅरिव कम।

शालुवोल: नॅ हज़ त्वहि छेना पताह ज़ि सॉनिस दुकानस प्यठ छे रेठ गॅंडिथ।

परवेज़: तोति क्या गव।

परवेज़: बिलकुल ठीख, कॅरिव हुकुम?

शयनी: त्वहि छु तकलीफ द्युन। मे छु अख शाल ह्योन। तोह्य हेकिवा मे सुत्य बाज़र यिथ।

परवेज़: कर बॉग्य?

शयनी: अज़ शामन।

परवेज़: आ ज़रुर, तोह्य वॉतिव शामन च़ोर बजे लाल चोक। बु समखु तॅती।

शयनी: कथ दुकानस प्यठ?

परवेज़: सिलेक्शन सेंटर।

शयनी: आ ठीख छु, बु प्रारोवु तॅती।

शालु दुकानस प्यठ

शयनी: आदाब अरुज़ परवेज़ सॉब।
तोह्य कर वॉत्यवु?

परवेज़: आदाब, बस वुनी। वॅलिव बिहिव।
तलुहज़ खाजि सॉब शाल हाव?

शालुवोल: कम शाल मरदानु किनु ज़नानु?

शयनी: तोह्य हॉविव द्वशिवय?

शालुवोल: वुछिव महारा यिम छि ज़नानु शाल। त्वहि कॉतिस कॉमतस तान्य गछ़ि आसुन?

शयनी: बस दरमियॉनी। नॅ ज़्यादु द्रोग तु न ज़्यादु

चु छुख गिंदान	चानि दॅस्य/ज़ॅरियि छु गिंदनु यिवान।
तोह्य छिव शाल हेवान	तुहुंदि दॅस्य/ज़ॅरियि छु शाल हेनु यिवान।
सु छु किताब परान	तसुंदि दॅस्य/ज़ॅरियि छे किताब परनु यिवान।
तिम छि चिठ्य लेखान	तिहुंदि ज़ॅरियि छे चिठ्य लेखनु यिवान।
अशोक छु बाज़ार गछान	अशोकनि दॅस्य/ज़ॅरियि छु बाज़र गछनु यिवान।

(ख) रॅमी छु जान लॅडकु।

रॅमी छु चानि खोतु जान लॅडकु।

रॅमी छु सारिवुय खोतु जान लॅडकु।

अभ्यास

1. निम्नलिखित वाक्यों को माडल अनुसार बदल दीजिये?

(क) बु छुस बाज़र गछान। > म्यानि दॅस्य/ज़ॅरियि छु बाज़र गछनु यिवान।

शालुवोल: अच्छा पंचाह ख्वपयि दियितव कम। तमि अलावु छेनु गुंजॉयिश। रॅटिव यि गव शाल। बॆयि छा कॆंह हुकुम?

शयनी: बस शुकरिया, रॅटिव पाँसु।

शालुवोल: शुकरिया, आदाब,

शयनी: पॅकिव परवेज़ सॉब व्वन्य गछ़व गरु?

परवेज़: नॅ वुन्यक्यन नु, बॆयि कुनि सातु।

शयनी: अच्छा शुकरिया।

व्याकरण

इस पाठ मे तुलना कोटि (Degrees of comparison) और कर्मवाच्य (Passive voice) का प्रयोग किया गया है। इस के अतिरिक्त क्याज़ि 'क्यों' और तिक्याज़ि 'क्योंकि' का भी प्रयोग है।

उदाहरण

(क) बु छुस कॉम करान म्यानि दॅस्य/ज़ॅरियि छे कॉम करनु यिवान।

अॅस्य छि कॉशुर परान सानि दॅस्य/ज़ॅरियि छु कॉशुर परनु यिवान।

(प) यि छु जान लॅडकु >

१. यि छु चानि खोतु जान लॅडकु।

२. यि छु सारिवुय खोतु जान लॅडकु।

(१) हव छे चालाख कूर।

(२) हुमु छे यावु ज़नानु।

(३) सु छु कॉबिल डाक्टर।

(४) तिम छि खराब मरुद।

(५) रॅशीदु छु स्यठाह थोद।

(५) परवेज़ छु बोड।

यि शाल छु जान >

१. यि शाल छु होमि खोतु जान।

२. यि शाल छु सारिवुय खोतु जान।

(१) यि किताब छे जान।

(२) हव जाय छे खूबसूरत।

(३) यि कलम छु स्यठाह कॉमती।

(४) यिम शाल छि मोमूली।

(५) यि टिकट छे द्रोज।

(७) यि चीज़ छु स्रोग।

(१) अॅस्य छि शाल़ मॅल्य हैवान।

(२) च़ु छख कॉशुर बोलान।

(३) तोह्य छिव बतु खेवान।

(४) शयनी छु टॅलिफोन करान।

(५) लॅडकु छि बालि गिंदान।

(ख) बु गोस पॅहलगाम > म्यानि दॅस्य/ज़ॅरयि आव पॅहलगाम गछ़नु।

(१) असि वुछ कॅशीर।

(२) च़े कोरुथ बागस सॉर।

(३) त्वहि ह्योतवु अख शाल।

(४) तॅम्य कोर लॅडकस आलव।

(५) तिम प्रारेयि दुकानस प्यठ।

(ग) बु गछ़ु दिलि > म्यानि दॅस्य/ज़ॅरियि यियि दिलि गछ़नु।

(१) अॅस्य करव यि कॉम।

(२) च़ु परख कॉशिर किताब।

(३) तोह्य गॅछ़िव बाज़र।

(४) तिम यिन गरु वापस।

(९) सोन मुलुख छु सारिवुय खोतु जान मुलुख ।

(१०) पॅकिव व्वन्य गछ़व गुलर्मग, बस यियि वुन्य।

शब्दार्थ

जान पहान	'अच्छा सा'	वुन्यक्यन	'इस समय'
क्थ क्युथ	'किसलिये'	कम करुन	'कम करना'
खांदर	'शादी'	बेयि कुनि सातु	'फिर कभी'
दॅस्य / ज़ॅरियि	'दूारा / ज़रिये'	हावुन	'दिखाना'
पूरु	'पूरा / पूरी'	द्रोग	'महंगा'
न्युन	'लेना'	द्रोग्य	'मंहगे'
तकलीफ द्युन	'कष्ट देना'	द्रोज	'मंहगी'
कर बॉगय	'किस समय'	द्रवजि	'मंहगीं'
समखुन	'मिलना'	वापस युन	'वापस आना'
पताह आसुन	'पता होना'	सारिवुय खोतु	'सबसे'
गंडुन	'बांदना'	मशवरु	'मशवरा'
अथु कॉम	'हाथ का काम'	स्रोग	'सस्ता'
		स्रोग्य	'सस्ते'
		स्रोज	'सस्ती'
		स्रवजि	'सस्तीं'

❋ ❋ ❋

(फ) च़ु क्याज़ि छुख कॉशुर परान?
तिक्याज़ि यि छे जान ज़बान।
(१) च़ु क्याज़ि छख कम कथु करान?
(२) तोह्य क्याज़ि छिव पॅहलगाम गछ़ान?
(३) शयनी क्याज़ि छु शाल हेवान?
(४) परवेज़ क्याज़ि छु बाज़र गछ़ान?
(५) कॉशिर्य शाल क्याज़ि छि मशहूर?
(६) अॅस्य सॉरी क्याज़ि छि बतु खेवान?

2. निम्नलिखित वाक्यों का अनुवाद कीजिए?

(१) बु छुस यछ़ान अख जान पहान शाल मॅल्य ह्योन।
(२) चानि वेसि कर छु खांदर?
(३) तम्य्सुंदि ज़ॅरियि आयि नु यि कॉम करनु।
(४) त्वहि छा परवेज़ सॉबस सूत्य तारुफ।
(५) शाहतूस छु सारिवुय खोतु कूमती शाल।
(६) यि छु सारिवुय खोतु मशहूर दुकान ।
(७) तोह्य क्याज़ि छिव कॉशुर हेछान?
(८) कॉशिर्य शाल छि मशहूर तिक्याज़ि यिमन छे जान अथु कॉम आसान।

The Author

Dr.Roop Krishen Bhat is a Linguist, Kashmiri Writer and a Media free lancer. Born at Anantnag in Jammu and Kashmir state, he did his Graduation in Sciences from the University of Kashmir,Masters and Doctorate in Linguistics from the University of Kurukshetra and Diploma in Russian from Punjabi university Patiala.

Dr. Bhat is presently working as **Principal Publication officer** *at the NCPUL, Ministry HRD Govt. of India. Prior to this he has worked as* **Principal** *NRLC, Patiala* **Assistant Educational Advisor***, Ministry of HRD,* **Programme Executive***, AIR &* **Lecturer** *NRLC Patiala.*

Dr. Bhat has written/edited/co-authored sixteen books and dozens of Research Papers/Articles on Language, Linguistics, Literature and Mass media. His other major works include ***A Descriptive Study of Kashmiri Language, Linguistics and Language Teaching, Kashmir-Urdu Reader, An Audio Cassette Course in Kashmiri, Kashmiri Cultural Reader, Let us learn Kashmiri- Primer and Reader, Hạrda vaav- a collection of Kashmiri short stories etc.***

As a freelancer with both Print and Electronic Media he has been contributing to several magazines- newspapers on travel, tourism, culture etc. and writing scripts, anchoring-participating in various programmes of T V and Radio.

Dr.Bhat has visited U.K., Russian Federation, Thailand, UAE for participating/organizing Indian Cultural festivals and seminars. He has been actively engaged in organizing seminars, conferences, workshops for preservation and promotion of Kashmiri Language and Culture across the World. He is a life Trustee of "Kashmir Cultural Trust" engaged in promotion of cultural activities in the state of J&K. A Life Member of "Linguistic Society of India", Kashmir Education, Culture and Science Society and several other socio-cultural NGOs.

Contact
roopbhat@yahoo.co.in
Phone R. 011-22618889
O. 011-26188301